 Pruṣṭa-5

ગુજરાતમાં પ્રવાસન ઉકેલો અંગે
સરકારની નીતિ અને તેની યોજનાઓ
પ્રકાર ૫ ગુજરાતની પ્રવાસન ઉદ્યોગ અને સરકારી નીતિ

૫.૧. પ્રતિબંધન

૫.૨. પ્રવાસન ઉદ્યોગ

૫.૨.૧. સાઝી પ્રવાસન ઉદ્યોગની શરૂઆત

૫.૨.૨. ગુજરાતમાં પ્રવાસન વिकાસની સ્થાપના

૫.૩. ગુજરાત પ્રવાસન નીતિ

૫.૩.૧. પ્રવાસન નીતિ અને આવિષ્કારની આવશ્યકતા

૫.૩.૨. પ્રવાસન નીતિની શરૂઆત

૫.૩.૩. ગુજરાત પ્રવાસન નીતિ : ૨૦૦૩ – ૨૦૧૦

૫.૩.૩.૧. વિવાર્તજી :

૫.૩.૩.૨. વિકાસની વિપુલ તક :

૫.૩.૩.૩. પ્રવાસન વિકાસ કાર્યક્રમોની સામગ્રિક અભિગમ :

૫.૩.૩.૪. ગુજરાત પ્રવાસન કેન્દ્રે વિકાસની સુવિધાઓ 

૫.૩.૩.૫. આંતરજાતિક સુવિધાઓ વિકાસ :

૫.૩.૩.૬. માનવ સંસ્થાન વિકાસ :

૫.૩.૩.૭. માઇક્રોઇડ:

૫.૩.૩.૮. ગુજરાતને આદર્શ મુખ્ય બનાવવાની ઉપરેયા :

૫.૩.૩.૯. વિવિધ પ્રોજેક્ટની તકી :

૫.૩.૩.૧૦. સરકારી દ્વારા અમલીકરણ યોજનાઓ :

૫.૩.૩.૧૦.૧. પ્યુષ્ણ ગુજરાત કી :
6.3.3.10.2. કશ નથી ટેના તો કુશ નથી ટેના:

6.3.3.10.3. સરકાર દ્વારા પ્રવાસ કેન્દ્ર માટેની એકતિક અન્ય જહેરાતો

6.3.3.11. પ્રવાસ નીતિના સામાજિક ધ્યાનદાયભે

6.4. ગુજરાત સરકારની મહત્વપૂર્ણ પ્રવાસ નીતિ 2015-2020

6.4.1. રાજ્યમાં પ્રવાસ વિકાસને વેચ આપવા રાજય સરકાર દ્વારા નવી નીતિ 2015-2020 જહેર:

6.4.1.1. પ્રવાસ નીતિની લાભજનકતાઓ:

6.4.1.1.1. વિજ્ઞાન:

6.4.1.1.2. મિશન:

6.4.1.1.3. ઉદ્યોગ:

6.4.1.1.4. વ્યુહરચન:

6.4.1.1.4. પ્રવાસ નીતિની સમય માર્ગદાર:

6.4.1.1.5. પ્રસાદનો અને રાહતો:

6.4.1.1.6. અન્ય પહેલ:

6.4.1.1.7. અમલક્ષેત્ર માટે મીડિયનીગમ:

6.4.1.8. ઉપસોંખાર:

426
5.1. प्रस्तावना

भारतीय उपनिवेश पौराणिक काल के समय रहा है। जब सुधार साधन आधिक विकास अने और वित्तीय विकास के साथ भुगतान नोडपांड सिद्ध पाया करते है। तेह में वेतन प्रवासन विलागो विकास करने रहे। जे के, राष्ट्र विकास अन्वेषण वनावता माते वा विलाग पासे अनश्रुक्ष वश्वता रहो। प्रवासन विलागो विकास वश्वता सहेज़ जैन उल्लोप्पीड़नी लक्षाताद्वो वधु रहो। जुरातमां जो के वे में युद्ध आपवांगमा क्या अने वैराजू जेम वे स्थान बो गठबंधन समान है। जा ने स्थान और वित्तीय विकास अने वीज वा विकास करी शे तेह में नंगे। तेह में जो प्रेत वर्ष वालने ते जुराताती शान कह। तेनु उल्लो उदारां लोगार विरंजिता वनवारी वांदरी जे जुराताती वभरे हटने तेवी लोकवाक्य अने विनिक प्राणवा माने है। अने पुरातन तजस्विये विरंजिता नगरी होनवाली वालने बुद्ध पँजा आपेल करते है।

जुरातमां वांदर चरित्रितवांग अने समन्ताय महत्त्व मूलिकेंद्र शेनुस्जव पर्वत के जों जैन क्षेत्रधाम वारे आवेला है। तेमज निन संप्रवाह प्रशिक्षण करता धार्मिक तीर्थ स्थानो जेवादे दिवनारामां दातार वापुनी जया, मेवाला पासे आवेली परभनी जया, आपार्जिनी जया। वीरपुरी जलाश्वानी जया तेमज विज्ञाप्वलिन दसर के, मकरणी, पोरवंदर दितिमंदिर के जया चें युग पुरणी जुगावाला वालाहेली कर। जा साथे साथे दर्ती साइतमस्थ आवेलेड ज्ञातो, नोटीयो, अर्यावानो, पौराणिक इतिहास अने पर्वती पँजा जुराता प्रवेशमा मनवालो आकृति कर है। अब वधु प्रवाहनां विकास माते अवातन साधन है।

आनंद, प्रमोक्ष, रज्जो तेमज कोष पँजा स्थानी मुल्लाक्त साथे संकलनवेली पुर्ववत्रि घटते प्रवासन। वीज तीने कहिये तो “वतनवा परिवासी वहार करवामा आवती परंदगृही पुर्ववत्रियों समवह घटते प्रवासन” जुरातमां जो शमोवालवाला प्रवासीयों छ। जी धार्मिकताने राखी सतत प्रवास यात्रा सामे है। ४० ताम जुरातातीयो अने रूप हजार अमरादेवी प्रवासीयो प्रवासन विलागमा घड़ो आपए है। जा उपरात्त विदेशी प्रवासीयो तेमज जुरातर राज्य संवायना प्रवासीयों आकृति माते पागला भरवाना है।
आज प्रवासन ‘प्रवासन उद्योग’ ना स्वरूप मान तीखी रही है। आपात राजस्थान में राजस्थान, अस्तित्व, नवनी अर्कानवर अने पूरा सीधे राष्ट्रीय में अवार, रहेंगे, ताप्त, माहिला अने मनोरंजन आ गढ़ प्रशो मुश्किलीभूती बना है। चूंकि पछि प्रवासन उद्योग बुलाव अक्कारी तिकिया रही है।

2.2. प्रवासन उद्योग

उद्योग चेतित के अनिवार्य, लोकां-पोलान, ट्रेक्सराइट, धर्मपारता साधनों, द्वार, रसायन, वजारे। परम्पर विषम सेवाक्षेत्रों मोलां मोल उद्योग चेतित प्रवासन उद्योग डेम, शेवालार्स, रेसो, वहां, होटेल, मोतेल, रेसोटेल, टर गाड़ी, प्रवासी प्रमाणी आंदो-प्रमाणी मातरा साधनों वजारे आनुभवक प्रवासन उद्योगने विश्वास सौंदर्यी मोटे हूडिया कमायी उद्योग गाजाया है।

2005 मान प्रवासन उद्योग विश्व में 800 बिलियन डॉलरों हंत विषम वाल आवकमां प्रवासन उद्योग डेमो 10% थी पछि वडार है। आंतरराष्ट्रीय वेपारमां 1/3 भागों वेपार प्रवासन उद्योगना वाक्य था है प्रवासन उद्योगी विश्व में 20 करोड़ लोकों रोजगारी में है। आ प्रवासन उद्योगनी आवकमांडी कप सम्बन विद्योरों करवेरो युक्त है।

भारतीय प्रवासन उद्योगने पछि उज्ज्वल बंधु है। भारतीय प्रवासन उद्योग मां उग्निशानी प्रवासन आर्यां रहेंगे है। जो प्रवासन क्षेत्रो तरल सरकार ध्यान के हित करेंगे तो आंतर राष्ट्रीय प्रवासन उद्योगों महत्वाकां बाग अंदे हित करे भणी। भारतमां पौराणिक प्रारंभ, विश्वास द्रविया डिनारो, हिमालय जेवा पर्वतों, सप्तपिसार, नर्दरों, उज्ज्वालो, जुड़ा-जुड़ा अव्याक्षर वजारे आम अंदे पुरुषों बनें है। ते उपर्य अन्य शेषी प्रवास बेडवा करता भारतीय प्रवास बेडवां नागरिक जीते अध गाजो स्तर महत्वाकां साबित था है जे तेनी महत्वाकां असियांग गाजी शाक्य है।

भारत प्रवासन उद्योगमां विस्तार करने विश्वना टीमना प्रवासन स्थापिमां योग्य स्थान हासल करते है। प्रथम ध्यान थोड़ी, द्वितीय न्युज्डेल अने तृतीय ओस्ट्रेलिया आये है।

428
ज्ञात सरकार परेशी प्रवासीयोंने आक्षित करवा माटे प्रवासन नीति घड़ेल चे. प्रवासन उद्योगाचे गुजराती नाश्ता नंबरने विदेशी हंडियामण कमावी आणाय उद्योग चे. आक सवे प्रमाणे प्रति 10 लाखना सोयां सामे प्रवासन उद्योगांक आशीर ४८ लोऱऱे रेगारी माने चे. कृपी क्षेत्रांक ४४ लोऱऱे त्याने वादितिक क्षेत्रांक ११ व्याप्तने रेगारी माने चे.९

6.2.1. भारतमां रचितें नेटवर्क नवासजन करी चालू मोडी संज्ञानांची वर्ती रहेली वस्ती वृद्ध हे असावेची आवश्यकता नाही किती संघानी किंवा संघा येते संकल्पन कोणी नव किती धरा उन्नती शीर्षक स्था वेची नवासनामांना नवासनेचे आवश्यक आहे. तयाच्यानुसार अनुच्छेद 19(1)(D) जे भारतमां भारतीय नागरिक उसंतीरते येते करवा करवाने हा प्रवासन दररोज विषयाची विवादी हवाळी परिवर्तन तरी संज्ञानता दररोज धाराधार करेल चे. तरी स्थापनिक प्रवासनांने ल.ट.ट.स. प्रोत्साहित करवावा आहे. ते आक ररिके विदेशी हंडियामण तरी आधिक धारायोने ध्यानित मानेने आंतरराष्ट्रीय प्रवासने प्रोत्साहित करवावा आवश्यक आहे.

भारतमां प्रवासन अथवा विषय तरी रंगुळांच्या हवाळा भारतमां निवडी तरी भारतीय वंशापदांमध्ये प्रवासन माटे कोट उठतें निवडी परंतु वंशापदांना अनुसार 19(1)(D) जे भारतमां भारतीय नागरिक उसंतीरते येते करवा करवाने हा प्रवासन दररोज येते करवा प्रवासनांच्या अनुसार हे तरी संज्ञानता दररोज विषयाची विवादी हवाळी परिवर्तन तरी संज्ञानता दररोज धाराधार करेल चे. ते आक ररिके विदेशी हंडियामण तरी आधिक धारायोने ध्यानित मानेने आंतरराष्ट्रीय प्रवासने प्रोत्साहित करवावा आवश्यक आहे.

भारतमां प्रवासन अथवा विषय तरी रंगुळांच्या हवाळा भारतमां निवडी तरी भारतीय वंशापदांमध्ये प्रवासन माटे कोट उठतें निवडी परंतु वंशापदांना अनुसार 19(1)(D) जे भारतमां भारतीय नागरिक उसंतीरते येते करवा करवाने हा प्रवासन दररोज येते करवा प्रवासनांच्या अनुसार हे तरी संज्ञानता दररोज विषयाची विवादी हवाळी परिवर्तन तरी संज्ञानता दररोज धाराधार करेल चे. ते आक ररिके विदेशी हंडियामण तरी आधिक धारायोने ध्यानित मानेने आंतरराष्ट्रीय प्रवासने प्रोत्साहित करवावा आवश्यक आहे.

429
विकास निगमनी स्थापना करी, आम तौर पर प्रवासन प्रबुद्धि विकासने शुरुआत बीज प्रचार-पर्याप्त योजना अंतर्गत १८४२ वी १८४२ नं समय गाला हरम्यान बढ़ है।

समय जनता घाड़ा उड़ो पर्य कर्नार प्रवासीमा मारेआ आपने सुम सुविधाओ शरीर कर्बा मारेआ आपने संथायोने पड़ आमंत्रित करेल हे। या खेतीसे सूत्र प्रथम संस्थार्थ हता मोहनसिंह औरवेरी। प्रवासन निगमनी प्रथम महानिर्देश (DJ) श्री वसंत औरवेरी वे व्यवस्थापन पद्धति प्रदर्शन शुरू करेल तेजेयों संघटन राष्ट्रिय निष्क्यांत तरीके संयोजन करी आधुनिक व्यवस्थापन विश्लेषणो शीघ्री कामयाब तथा ते अन्ये प्रवासीमा प्रवास धामोऱ्या अर्थात नाशं स्ूय्या योज्य व्यवस्था भवी हे हे ते अन्ये वोटर्स्वाम्या मारेआ व्यवस्थापन आयोजन संघ (TAAI – Travel Association Of India), व्यवस्थापन संघर्ष संघ (IATO- Indian Association Of Travel Organization) वगवेरे जेती संथायोने पड़ प्रवासन क्षेत्रमा पोतानी शालो नोधायो हे।

तेम छता आज प्रवासन व्यापार गता २०% जेतो ज आन्तरराष्ट्रीय प्रवासीमो व्यवस्थामा मारेआ आक्षेप रही हे। जे दरिये चे वे प्रवासन ठीको रहे परिपक्व ध्रुव आपने समय ध्रुवो नरी परित प्रवासन भाज्याने मजबूत करवा व्यवस्थापन विकास निगम अने राज्य प्रवासन विकास निगमनी स्थापना करवायो हे। अने तेना द्वारा देशावर्तन प्रवासन विस्तार्या रहेला भारत प्रवासन अने परिवहन व्यवस्थार्थ सुविधाओ उपलब्ध करवायो हे। आपने तेना द्वारा देशावर्तन प्रवासन विस्तार्या विकसित करवायो हे। अने तेना द्वारा देशावर्तन प्रवासन विस्तार्या रहेला भारत प्रवासन अने परिवहन व्यवस्थार्थ सुविधाओ ऊपर्याच्या करवायो हे। आपने तेना द्वारा देशावर्तन प्रवासन विस्तार्या चालतो आर्थिक सांस्कृतिक आधुनिक रुपागिनी पहुँच देशावर्तन मूल्य प्रवासन विस्तार्या विकसित करवायो हे।

भारतमा प्रवासन विकास अंगे आवश्यक शिक्षा, तात्कालिक अने संघातात ऊपर्याच्या होटेल संख्याल, प्रवास संख्याल पुष्किर्या आवश्यक हे। जे अंगे धड़ी बाधी विद्यासंस्थाओऱ्या पड़ प्रमाणपत्रीया, दीवारोऱ्या तेजेयो न्यायलय अने अन्यांनीत भवी हे।
अध्यासकम्भनी श्रुति दर्शने हे. आंतरिक सुसंगठित माणवानी, आकर्षण हवाणे सेवाचे अंजे आधुनिक वेमोज्थे, बस सेवाचे, आरामदायक मुसकृत मात्र आवश्यक किंवा तेवा परिवर्तीन हजर अक्षर वैद्यक्य चे. आम तो भारतीय लोकांमध्ये अनेक भारतीय सरकार विकेशी प्रवासीयांनी पले अभिज्ञ व्यक्तवाणी भूमित ताती जुऱते हे.

6.2.2. गुजरातमध्ये प्रवासन विकल्पी स्थापना

राज्याचे प्रवासन नक्शा उपरी गुजराताने धडळून हलवून अने नवनातील विस्तार गड्डी ओळ असताना प्रेषणांमध्ये अपावलयांमध्ये आवे हे. जो क्रियाकलाप केलेला हा देश येतील देशातील वाणिज्यक सुधारणा दैविकी अनेक वेळी उपयुक्त मान्य होते. ते ते प्रवासनमध्ये उद्योगी दिवसांनी देनेला सौंदर्यांतील अतिशय अज्ञात असल्यास ते कस्तनां पूर्ण वासांच्या अनुभवात फायदेमुळे असेल. उद्योगांमध्ये एक आताते गौरवाने सिंगण्यां अपावलयांने अग्रणी अने कस्तनां शोधात नवनातील प्रावसीयांनी जागायला घेतली आहे. गुजरातमध्ये प्रवासन उद्योगी विकल्पी शक्तीतल्या विपुल हवा झाली जोळी हजरत तपासली नवीन.

बीज धार्माने योजना समवेत गुजरात लूटपूर्व मुंबई राज्याने बाग उपे हतु. शक्तीतल्या प्रवासन आत्में कामगारी मात्रत आत्में एक बाग उपे करावयां आवती हती. पली चौ.स. 1873 मास्त कार्यक्रम प्रवासन विकल्पी स्थापना करत.१५ चौ.स. 1878 मास्त गुजरात राज्याने अन्वे राज्यांनी तिर राज्यांशी संयोजन करताना घेत झालेली राज्याचा करी जे कामगारीकुर 1845 अन्यें गुजरात प्रवासन विकल्प विकल्प निम्न 1877 नाच शीर्षक हेता स्थापना भरत.१६ त्याच्या प्रवासन पृथ्वींनी विकल्प करवावी प्रवास शह राहू. गुजरात प्रवासन संयोजन - सीरस्ट्र, नवी गुजरात, राजस्थान हूर, चौ.स. 1878-४८ देश व्यवस्थावर आवे हे.

गुजरात प्रवासन निम्न  सरकार अने केंद्र सरकारातील महादेशी अनेक नवा प्रोजेक्ट हवा धर्म है. नवरात्रांनी रास- गरबा अने उंतरावहूं भरतणा तहेलेचो गुजरातातील संस्कृतीची आजगरी अपूर्वांची हे. तत्त्वज्ञानी मेंजे, सीरस्ट्र कोडी
\[\text{\textbf{M = Meeting (સેટિંગ)}}\]

\[\text{\textbf{I = Incentive (પ્રેક્ષ,પ્રોલેક્શન)}}\]

\[\text{\textbf{C = Convention (રીલેજ)}}\]

\[\text{\textbf{E = Exhibition (પ્રેક્ષણ)}}\]

"Gujarat’s Tourism Policy is one of the most Investor - Friendly in the Country."

Mr. Raj Gopal -Ex. Director of Tourism ગુજરાત વિશે કહે છે કે ગુજરાતને દ્રષ્ટિગ્રસ્થ અને વિશ્વ અનાથ અને વિશ્્લેષણ અને દરેક ડિનારે પ્રાપ્ત થયો છે. તેમની પ્રક્રિયા પ્રમાણે તેમને શા હોય શકે છે અને વધુ દાખલ અને બીજી મોંટશોને બધી શકતી દરેક ધારિણી અને બીજીઓ મોંટશોને માટે.
5.3. ગુજરાત પ્રવાસન નીતિ

વર્તમાન વર્્ધમાન પ્રવાસન ઘોષણા એક અધિક પ્રગતિ સાધી છે. આનગી તથા સરકારી યેમ બંને ક્ષેત્રોમાં પ્રવાસન ઘોષણી સુધીથી પ્રવાસનને એક અધીનિયમતિ સાથી ગાથામાં આવે છે. તેથી ભારત જીવાની બેલોમાં પ્રવાસન ઘોષણા વિકાસમાં સરકારી ઘોષણે આયોજન અને નીતિ ધારણાનું વિકસણ મહત્વ છે.

5.3.1. પ્રવાસન નીતિ અને આયોજનની આવશ્યકતા

કોનીઠળ તેસમાં પ્રવાસન વિકાસ અથવા એક સંયમિત યોજના તથા લક્ષ હોવું કોનીઠળ વધુ વધુ નક્કી કમાવવા, અનિયમિત જનપ્રવાસનના નિષેધાંકન પ્રલાભને સમાપ્ત કરી તેવા થાય તેમજ સતત વિકાસ સાધ્યાનું માટે આમ કરવાનું જરૂરી છે. નીચેના કારણો પ્રવાસન નીતિ અને આયોજનની જરૂર પડે છે:\n
- સર્વજનિક તેમજ આનગી ક્ષેત્રની ઝડપિકાનું સંયોજન.
- વિકાસની સમૃદ્ધિ નિર્દેશન આપવા માટે.
- વિકાસના ક્ષેત્રો ઓળખવા માટે.
- વિકાસ અથવા પ્રવાસનના વિવિધ પ્રકારની પરસપર માટે.
- નિષેધાંકન પ્રલાભ રોકવા માટે.
- સેવાઓની ગુણવત્તા વધારવા માટે.
- કોનીઠળ પ્રવાસના ધમાન વિકાસ કરવા માટે, અને માનવ સંખ્યાના તાલીમ બદલ કરવા માટે વગેરે.

મોટાભાગના રાજયોની સરકારો પ્રવાસન નીતિ નીનાઝુ તથા લક્ષ્ય નિર્ધારણને પ્રધાનીકતા આપતી હોય છે. લક્ષ્યપૂર્તી માટે વોય્ય આયોજન તથા યોજના પર તેના રાજ્યની જુડીઓ લખિત હોય છે. અબી આયોજની પ્રવાસને નીચેના તવભાગની માટે વધુ પડે છે:\n
1. અધ્યાયન તૈયારી : અધ્યાય પરિયોજના (પ્રોજેક્ટ)નું અધ્યાય અને તેની શરતોને ઓળખવાની
2. લક્ષય નિર્ધારણ : અર્ધત પરિયોજનાના લક્ષય તથા ઉદ્દેશ્યનું નિર્ધારણ
3. સર્વેક્ષણ : અર્ધત વર્તમાન સ્થિતિ વગેરેના સંકળ્યમાં વિકાસક્રમોની યાદી પ્રાપ્ત કરવી.
4. વિશ્લેષણ : અર્ધત સર્વેક્ષણના પરિણામનું વિશ્લેષણ. સર્વેક્ષણ તેમજ તેના તરફ અપનાવવામાં આવતો અંદિતમ
5. યોજના નિર્દિશા : અર્ધત વયોજનકારી પરિસ્થિતિને જેટલી વિકાસની નીતિનું નિર્દિશા કરવું. જીવન શિક્ષણ કે તેને ઉપલબ્ધ સંશોધનની તરફ જોતા યોજનાનું સ્વિધ્ય તૈયાર કરવું.
6. વાલમણ : અર્ધત આગળ વડભાય માટે માંગવાન
7. કાર્યોજનન : અર્ધતે યોજનાઓ તથા વાલમણને અમતરથી મૂકવાપ્ર.
8. ફેકલેસ : અર્ધત કાર્યોજનમાં પરિભાષણી શુભાક્ષત સુધાર ને મેળવવી.
9. મૂલવાંક : અર્ધત બધુ જ યોજના દીશમાં જય રહું છે કે કેમ તેમની જાણકારી મેળવવી.
10. સુધારા-વધારા અને પુનઃ મૂલવાંક : અર્ધતે કેટલી પ્રકૃતિની જાણકારી કે જાણકારી મેળવવી.

એક વધારારથી પ્રવાસ આર્થિક વ્યવસાયમાં ઉપયોગ વધારું છે કે પ્રવાસનાનું પ્રવાસ સાક્ષરતા તથા સમય માટે નીતિની આધારે અનુસરણ કરવામાં આવ્યું છે. હોટેલ, વાયુસાધારણ, ઑટોમબાન, કારની, સ્થાનિક સંસ્થાઓ વગેરે તમામ પોતાની નીતિઓ તથા ખાલ યોજનાઓમાં ધકર અયુક્ત કરતા હોય છે.

5.3.2. પ્રવાસનનીની શુભાક્ષત

નવેમ્બર ૧૮૮૨ માં કેન્નાં સરકારે પહેલીવાર પોતાની પ્રવાસ નીતિ જ્ઞાહી કરી હતી.\(^{39}\) તેમાં પ્રવાસનની અંગે કે સ્વિધકાર્યોના આવતી. તેમની મુખ્ય ઉદ્દેશ્ય વિશેશી પર્યાવરણીય સમક્ષ કેન્નાં તેને આકારો સાથે પ્રવાસન સ્થાનના ઉપયોગ પ્રતિનિધિ કરવાની હતી.
प्रवासन द्वारा विशार अने आंतरिक वित्तीय अने तेमनी संस्थातील आप-ते ने प्रोत्साहित करे आहे. लोकांनी वर्त्तमान आंतर व्यवस्था माहि सुविधा करी आए. तेथी प्रवासन राष्ट्रीय येथ, आंतरराष्ट्रीय समाज अने अंत विचार, तोके माहि शास्तित्व सहायता प्राप्त करवा माहि सक्षम साधन बनवी रे. स्वच्छाच्या उल्लेख करवा माहि पण प्रवासनी क्षमताने स्वीकार करवावी आलीय. १.२.१८८२ माहि धाराचेच प्रवासन नीतिमाने प्रवासनी अग्रदौत दाश्वती बाजातो जेव्हीके

- वैद्य महेंद्र परिवर्तन.
- सांस्कृतिक वासो जणवया यांचा सहयोग.
- स्थानिक समुदायांचे अने सरकार माहि आंतरिक-सामाजिक तालो मेलविल आपल्या माहि सहयोग.
- युवानांचे माहि उपविध तड्डो उपलब्ध करवावी.

आ साथे-साथे स्थानिक प्रवासन महाने क्षमता पण व्यवस्था करवावी आली हती. अने अनेक नवीन प्रवासी आवृत्त विकास माहि अनेक नोंदापत्र रीते सूचित करते प्रवासी करवावी आवश्यक. तेम्हें देख रह्या, राज्य सरकार, माहिती क्षेत्रांची सहायता, आणि क्षेत्रांच्या आंतरिक व्यवस्था विविधता, म्हणजेसारख्या, महानगरपालिका अने स्थानिक संस्थाने, शैक्षणिक अने सांस्कृतिक संस्थानेच्या बांधा ज मार्गदर्शन सूचना, सूचना अने संबंधित विकास प्राप्त करवा माहि सहीयाचा प्रतीक करेल जेथे प्रवासन तेलना आंतरिक विकास माहि हातातील अने अर्द्र क्षात्रीय नोंदापत्र येल. उपरोक्त आंतरराष्ट्रीय प्रवासने प्रोत्साहित करवावी मुख्यतः युवाहातील आंतरिक विकास माहि राज्य सरकार त्यांना वृद्ध जनजाती त्यां संकलनांनी युवपक बजवी तेम्हें राज्य सरकारने पुढील वस्ती. आ नीतिमाने नीतीच्या उपविधांची सूचना प्रवासी आवश्यक हता.

5.3.3. गुजरात प्रवासन नीति : २००३ – २०१०²४

गुजरात सरकारे प्रवासन उद्देश्यांनुसार महत्त्व समज प्रवासन रचनेसारख्या विकास माहि व्यवस्थित आयोजन करवा माहि १.२.२००३ मास प्रवासन नीतिने धक्कात करी तेने अभाव आहे अन्यी. ²५ जेथे महत्त्वाच्या अखिलेश्या नीतीचे मुख्य आहे.
6.3.3.1. વિશાળત્વ:

વિકાસલક્ષી અને ગતિશીલ ગુજરાત સરકાર પ્રવાસ ક્ષેત્રને વ્યોજનિક વિકાસ અને સુખમય સુવિધાઓના સમર્થ થકી રાજકીય આધીક અને સામાન્ય વિકાસ મદદના મહત્વના અંગ તરીકે વિકાસાવશે તેની વિશેષતા છે. રાજ્ય સરકાર એ ક્ષેત્રના વિકાસ માટે સતત વાતાવરણ પુસ્તકકેટ અને સાધુવાળી વાતાવરણ પુસ્તકકેટ અને પાસામણી વાતાવરણ મદદ લઈ રાજ્ય સરકારની સુગમ નીતિને સમાવયો વિકાસ હાથ ધરે છે.

6.3.3.2. વિકાસની વિપુલ તક:

આંતરરાષ્ટ્રીય પ્રવાસ ઉઠ્રોગને વર્તમાન હિસ્સો ૧૧% છે. તે સમે ભારત દેશ ૧.૮% જેટલી હિસ્સો ધરાવે છે. અને તેમાં ગુજરાત રાજ્ય પોતાના ફ્રોન્ટ થકી વિકાસની વિપુલ તક પૂરી પાડે છે. ૧.૮% ની GDP આંતરરાષ્ટ્રીય આગમી પ્રવાસન દર્શનમાં ૫% સુધીના વૃક્ષવાદ હક્સાંક સાથે પ્રવાસ નીતિને વેળ આપવાનું નક્કી કરાવું છે. તે આ લે હર ૧૦% નો લક્ષયંક હાંસલ કરવામાં આવે, તો વધારાની ૧.૨ કરોડ રાજ્યગારીનું નિર્મળ ધર શકે તેમ છે. તે કરોડ ભાન નિવાસી ભારતીય માંથી મોટા ભાગના ગુજરાતીઓ છે. જેથી સમસ્ત વ્યાવસાયિક અને વેપારીઓ છે. કું ખાસ સંયુક્તઓ આ ભાન નિવાસી ભારતીય અને પ્રવાસી લોકો તેમજ આ ક્ષેત્રના રોજગારકારી બદલી શકે છે. આ રીતે GDPનું સ્તર ધાણ સુમારી શકાય તેમ છે.

6.3.3.3. પ્રવાસ વિકાસ કાર્યક્રમકલ્યાણની સમગ્રત્વી અલ્ગીઝમ:

- પ્રશંસા (ટેવેન્ટ) આધારિત પ્રવાસ
- ટેરીસ્ટ સેકેટેસ
- આંતરરાષ્ટ્રીય સુવિધાઓની વિકાસ
- નાણયુદ્ધપુષ્પી મહીનેટિંગ અને પ્રમોશનલા ટૂલસ
- માનવસાધન વિકાસ
- પ્રાચીન સહાસ્યગીતા
- ઊર્ધ્વ વિકાસ માટે સરકારી નીતિઓને સુગમ બનાવવી
5.3.3.4. गुजरात प्रवासन श्रेणी विवासनी सुविधा तकर।

गुजरात राज्य पोताना वहुरंगी अने वहुमूळी प्रवासन आर्धणारा द्वारा विश्वासना विविध प्रवासीशीष्ट कल्पनाशीष्ट संसाधनी अंक विकल्प तक पुरूरी पाई हे.

प्रसंग आधारित प्रवासन:

प्रवासन तात्त्विक प्रसंग आधारित प्रवास पर विशेष लार मृदू हे. जे माने सरकारना साधी सहयोग अने प्रतिसाधन मार्गात रेहणे. प्रवासाने उत्तेजन अने गुजरातनाम दर्शन करावा, विशेष प्रसंग अने अंतरराष्ट्रीय मेलाशीष्ट आयोजन करावे.

उद्देश्य:

जन्युधारी महिलांना उजवारी वक्तसांतिनी उत्सव गुजरातनाम आकाशने रंगारंगी, विविध कि अना आकाशनां पातळीशी बसरी हेच हे. गुजरात सरकार अने उत्सवाची ऊर्जा प्रायश्चित्त आवेच हे तेजस्वी दुनियासारखी पातळ रसिकांनी आउत्सवाच्या भाग लेत आम्हाले हे.अमरावतींना एक पातळ संघर्षावरुन व्यापारी आहेत अने.

ज्या विषयात जुळ जुळ व्यापारी पातळी प्रक्षेपित करायला हे. आ प्रसंग सार्वजनिक वंशाच्या मृदूत व्यावहारणावर अने मैत्रीपूव्हनाची केलेली हे, जेंमां जूवण-पूवण सो कोटी, रंग-पॉट, नात-जातना बेडकाळ शिला भाग ते हे, आणि मारा हे नवराट्रींनी, नवरात्र जवळने एक अनोळाम ताता, तयां अने मस्तीली बसरी हे. युवान ह्यांना रंगारंगी परंपरांत वस्त्रांना दाळ-फ्राँचिस दाळ अने डाहियावर ताता मान मूळींने रस - गर्वाना तनमय थाय जवळ हे. माणे अंदाजे समाप्त आउत्सव विश्वासना गुजरातींचा द्वारा बाळांने उमंगांने उजवाराच्या उत्सवाच्या आवे हे. आ उपरांत जनमाहीं, होणी, दार्शनिक उत्सव अने सोमनाथ उत्सव वगऱ्यांना जेवा केल्याही अनेक तत्कालीन पाण गुजराताची अस्मितानी आयोजन हे.26
ઘરાંતની અત્યંત કુલાક અને સમૂલ વરસો છ પરંપરાગત આદીવાસી મેલાઓ અને ઉંદરો ખેડ ઉક્તિ નજર જેવા કે તરફનટની મેલાઓ, વૈદિક-વિદિનની મેલાઓ, હજારો ગાડલોના જ્યાં પરી-વેયાળી થાય છે, તે વીલાનો મેલો આ દરેકની આગળી આભિવત, આગળ મહત્વ છે.

✦ સુરજ્ભનાન, દરીયાની મોજ, રેલીની મસતી:

ઘરાંત ની ૧૫૦૦ કલિ.મી. જેમાં લાંબો દરીયા દીનાંરે પ્રવાસન ક્રમના વિકાસ માટ લખીની તક પૂરી પાડે છે. પ્રવાસન નીતિ અંતર્ગત રાજ્યમાં અલગ અલગ નવ (૮) જેવા પર દરીયા દીનાર પણદ હોય, તારં પ્રવાસીઓને આકાશવાદ માટે તણર બીયાણું નમ્રચું શાલ ધરાશે. દરીયા પાટી તરફ દીનાર પર રમતી વિવિધ રમતોને ઉલેખ, સબ્ય વાતાવરણ, સંપૂર્ણ સરકાર તથા પરસવાર મૈટીપૂર્ણ પંતપાલક હોઈની વયવસાહ વગેરે આખતોને પ્રથમે આપી આ સંદર બીયાણું વિકાસ કરવામાં આવશે. આનગી દંપતીઓના સંચાલો અને પૂરતા પ્રમાણમાં આયોજિત રોડશા વડે આ પ્રોજેક્ટ સંચાલતા મેળવે અને આંતરરાષ્ટ્રીય પ્રવાસીઓને મુશ્કેલી કરી શકે.

✦ આપણું આરોગ્ય, આરોગ્ય થકી તબીબી સેવા:

ઘરાંત રાજય પોતાના ચ-ટકોલો સુવિશ્ચિત તબીબી સેવાઓ ભરા તબીબી પ્રવાસનના વિકાસ માટે હેક સમાજ ઉભેખીન હોય. સપાટીક વાવ તથા સમયગારી તબીબી સેવા, આધુનિક હોસ્પિટલો ભરા તબીબી સેવાઓ વગેરે આખતો થકી વિશ્લેષણ બન નવાસી ભારતીયોને ઘરાંત હેમેશા આખા છે. તબીબી પ્રવાસન નીતિમાં નેપાલી ઉપયોગ, જો અને સ્વચ્છન્દ તબીબી સેવાઓ પર વિશેષ ધ્યાન આપવામાં આવશે.

✦ સુવ્રદીવંબ કુલાંકમ:

ઘરાંતની પ્રવાસન નીતિ અંતર્ગત રાજયની મુખ્ય નતીકો તથા નહારોના દીનાર દ્વાર પ્રવાસન સંકુલો થયા. વિખ્યાત રાજ્યોના મોટે બળાત્ક વિશ્લેષણ (વિશ્લેષણ મેચ જાં) નું નમ્રચું કરવામાં આવશે. વિશ્લેષણથી આખતા બન નવાસી ભારતીયો આ સંકુલોમાં રોડશા કરી પોતાના ઘર હોવાના અનુભવ કરશે. આ વધુ સુવિશ્ચિત આંતરરાષ્ટ્રીય લાંબ હશે, જેમાં ઘરાંતી સંકુલી, વાનુકીઓ, વલા-વલા વતેરોનો

438
राज्यनी उतम कला तथा श्रीराजिनी प्रदर्शन तथा वेलावा मात्र विशिष्ट प्रकारना शोधिंग आईड (संकुल) हुला करवान्त आवश्ये।

† राज अने तेना परिवारजने :

समग्र अश्रिया बंडमां गुजरत ज एक मात्र स्थान दे क्यां अश्रियाभ सिंघ जीवा मले दे । अनं अश्रावर्ष प्रवासन अंतर्गत जीवा दे क्यचना नाना राजमां धुमर अश्रावर्ष, वेडवर्तरझा कालीयार, डीपक, स्तोत शीँ वेगे प्राणीनी समावेश दाय दे । विशिष्ट प्रकारना पक्षीयो राज्यना नण सरोवर तथा क्यु विस्तारमां विनिमय आवागमन करता ही दे । शांतिदेवीन रेण, क्रोमिंगो, पास्राकन जीवा उद्तर पक्षीयो राजभां जीवा मले दे । भुव-पक्षियोना जनन पर अध्ययन करता वासीयो मात्र आवा खरी हे मननी कथयनां संस्कृतवां अद्वैत स्थान पुं पुं पदे दे । आवा प्रवासीयो मात्र अंतर्लाखामाला सुविधायोना निमादिण, तेषानी उतम व्यवस्था हुली करवानु आयोजन दे । क्यवना राजमां संसारी, प्रवासीयोनु ध्यान प्रेयवामां संकल रही दे । अने तेनां हज वधु विभाजनी तबी दे ।

† आपली पूर्वको :

एक समवे शिंघ नतीना प्रिनारे एक समूह सक्षम वसती हती । जे शिंघ नतीनां पटमां वसती होवारी तेन शिंघ बीज्य नतीना सक्षम तरीले निमाचय । आ सक्षम कथना घोनवारी अने अभावात नजक्य लोकाल पारं आवेली । ताज्यतर मां आ खरो ध्वेला बोकामो आपल्या पूर्वको मां समूह सामाजिक-सांस्कृतिक वारसाना दर्शन करवे दे । प्रवासन निति अंतर्गत आवा उद्तर स्थानी विभाज करवामां आवश्ये आ सक्को उत्तर आपल्या सरकारां सहयोगी आनाग दुरित ओपरेटरी दरा आस पेक्षा टुण्यु आयोजन कर्दी शाखाके ।

† बोलता शिंघो : गुजरातनी प्रायशीं ग्यांमारोः :

आविद्यकता शिंघ अने ग्यांमार निर्माणा प्रतिक वेळा मोक्षना सूर्यमंडिर यही गुजरात पोताना सांस्कृतिक वारसानी अणी करवे दे । पाटणा आतेनी राजधानीवाव, वठनगरनु तोरणु वेगे खरी राजचना सांस्कृतिक वारसानी साक्षी समान दे । समग्र
विश्वासी स्थापना वारसाधी उपलब्ध गुरुरात प्रवासीयोंने आरक्षण वानी अनेक तक पूरी पाड़े हैं. मोहिएन्ना नृत्त महौसत जेला आस पुसंग प्रवासन माते वहोंगु आरक्षण है. तेने अग्रता आपी ग्रंथित वारसाने प्रोत्साहित करते.

❖ राजभाषाएँ मदत वारसों - भौतिकतत्त्व ठरातोः:

गुरुरातनी प्रभावित तपािक उपराध्य मोर्धनां समयात असीमणा श्रीकाम, वौळ मंडलेनुं केरबाम, जुनागंधना राष्ट्रसेवीनो महत तेमण यांपाणे ताते असी महत विद्याश्रो अने महतो, सोडीईेव नी कतामक आही, अभ्यासानानन्द बदनो किलो गोरे भौतिकतत्व स्थाप्योणा क्षेत्रात उद्धत कळकरहों हूँ. अक पसी प्रवासी माट नृत्त उपराध्य नथी धमती, तपािक पड़ा पुर्वी वळ्ये हैं. आ प्राथीन स्थाप्योण प्रवासनां अक गौरवश्रो स्थान होये. तेथी ज, आ नीति दक्षिण-पूर्व अथिताधिक देशोंमधी वौळ प्रवासीयोंने आरक्षणा विशेषतः वौळ प्रवास मार्गने उलटजन आपत्ती मांगे हैं.

❖ पहलोक्रिया संगीतः:

गुरुरातना इंगारांगो पोताना विशाल कक्षांती तथा विशेष पशु, पक्षी, वनस्पति, नारी-पर्वस्थाहों घृंग गोरेशी प्रवासीयोंने अनेक आरक्षण पूर्ण पाड़े हैं. साहस प्रेमी प्रवासी माते आ इंगारां यर्वतातेहों, स्पर्धाओ, अक यदाच्य वगोरे सुविधाश्रो पड़ा प्राप्त है आवी स्पर्धांमा गौरनार आरोहण-अवरोहण स्पर्धां मधुर प्रभावत है. आ स्पर्धांमा हजारे विद्याधीरो बागा ते है. गौरनार, साप्ताहिक, हेनुभार, भर, धीरोधर, पावागड, अश्वतीली टेक्सरो अने अोसम्ना इंगारांच पर प्रवासीयो प्रवासन तरीके पसंग कर रे हैं. प्रवासीयोंने आरक्षणा माते आ इंगारां पर रोप-ने तैलार करतामां आवश्य, तथा हेनाजिकै अने पेश जमिन्ग उलटजन आपत्ती मांगांना आवश्यक.

❖ समासूः:

गुरुरातनी स्वाभावे सरल अने निर्वाधार गुरुराती प्रजा हेमेश प्रबुद्धां अथवा श्रद्धा परात्मा रही है. अने निर्मल धार्मिक यारण्या द्वारा अलिकीक्षत करती रहे है. यार
धाम यात्रामानूने एक बारक आतेंगु बारकधीश मंटिर, बारक ज्योतिलिंग मा प्रथम अेवं सोमनाथ मंटिर, शल्क पीहोंमा अंबाज मंटिर, पावाजगली महाकाली मंटिर वगळे हेंडू
धर्मना प्रवासीयोंना प्रतुमतितीली देख्या पूरी करू हे. जैन धर्मना लोके माते बध्य
शिलपालाशी सज्ज गेला विविध जैन मंडिरी गुरुतमाना आवेला हे, पालीतासामां
आवेला अनेक जैन देवसारी अने अम्बाजांमंही ठिकिल्लें हे. जैन यात्रा नमुना हे. राज्यनी आय प्रवासन नीति आ बधे स्थानोंचरी रीते साधवळी अने
ज्युत्वळी करूने तेंदने धार्मिक प्रवासन तरीके विक्रितावय घारे हे. बारक अने
सोमनाथ लाते प्रवासीयोंने आक्रेश भाग आस ब्रेन, रस्तावो अने होटेलोंने
विक्रितावय आवेला हे. आ उपरांत आ न्याय आस उत्सवेणून पण्य आयोजन
करवावांना आवशी.  

❖ साइट प्रवासन:

भारत सरकारना मार्गदर्शन मुख्य हूरिस्ट साइटने विक्रितावय तथा प्रोटास्कां
आपवा आस व्याख्यातामां आवशी. कडून साइट, सौराष्ट्र साइट, उत्तर गुजरात
साइट, मध्य गुजरात साइट अने दक्षिण गुजरात साइट तेक्वी अभयारणी साइटों परसं
करवावां आवशी. अनेक प्रवासीयोंची संभांमा वधारी करवा बधी प्रोटास्कां अने
अंतरराष्ट्रीय सुविधाची विक्रितावय आवशी.  

5.3.3.4. अंतरराष्ट्रीय सुविधाची विक्रितावयो विक्रितः  

अंतरराष्ट्रीय सुविधा कोरपशः विक्रितस्थीत प्रवृत्तिची कोरपशः समान होतेहे
हे. प्रवासन क्षेत्रना विक्रित माते जळू प्रवासनाभूमीला सुविधाची अंतरराष्ट्रीय
स्तराची होत्ये ते अत्यंत जळू हे. राज्य सरकार आवी सुविधाचो वळू करवा माते
निधित हे. रोड रेल्वे, रेल नेटवर्क तथा एअरपोर्ट अने विविध यात्रा स्थानोंचे एकक्षेत्रे
साधे जोडी हे अत्यंत जळू हे. आ बधे स्थानीय अंतरराष्ट्रीय सुविधांनी
विक्रित करवावां आवशी. तेंदू आधुनिकरण करवावां आवशी. वर्तमान कॅम्प्यूटेशन
युगाच्या माहिती वितरण केनो अत्यंत अभावी वाज येतले हे. वर्तमान म्हणून
व्यवस्थाओऱ्याची विस्तृत आय प्रवास बनुने सुविधा कर्यक्रम बनवणे आवशी. आ
पालीली जळूरियातणूना विक्रित माते आणणी बृही रोडीला बवली रे ते जळू हे. समग्र
વિક્ષેષણાં વસેલા વિનાસવસી ગુજરાતીઓને આકાર્ષણની માત્ર પ્રવાસન નીતિ અલ્લાંત
આકર્ષક અને ઉપયોગી બને તે રીતે બેનાવાયાં આવી છે.

❖ લેડ બ્રેક ટ્રીમ.

રાજય સરકાર પ્રવાસનના વિકાસ માટે પ્રોત્સાહની સૂર્યુકલ લાવવી. જ્યૂની બંદ
યોજના, લક્ષયકાર્યો પર અમુક અયોજન જ્યૂની જાળવા માટે નિષ્ણત કરવી,
પ્રવાસન સ્થળો, રસટાની બાજુ પર પાછળ તેમજ ગામથી અને શહેરી ભેમ બંને
વિસ્તારમાં દ્રિષ્ટાંત પ્રોજેક્ટ માટે રાજય અને રાજ્ય વિભાગોની વગરે જેવી વિદ્યુત,
સુવિધાઓની નિર્માણ જેલ.ની.સી આસ્તને તારી સ્થળશિલ્હિક જેન
હેટલમાં કેટલીક જ્યૂની પ્રવાસન પ્રોજેક્ટ જેવા કે હોટેલ, રિસોટ્સ, રેસ્ટોરન્ટ વગરે
સુવિધાઓ માટે જાળવાયા આવી છે. જે તે મુખ્ય રોડચાલકની જ્યૂની જુલા હોય તે તે
ત્રીષામાં કમાણદશ્રીની ઓઝિસમાં સંપાદન કરે છે. કમાણદશ ઓઢ દ્રિષ્ટાંત આ કાર્યમાં
નોકર અજન્તાની સૂર્યુકલ લાવવી.

❖ કરવેરા અને જટલાં પુનઃ સંગઠન :

પ્રવાસન ક્ષેત્ર હેઠળ આવતા તમામ પ્રોજેક્ટને ઉદ્યોગ સમક્ષ ગાડી વીજાના બાયો,
વીજક, બિનાસટી, જ્યૂની અથવા તરીકે કરવેરા વગેરેનું વ્યક્તિ માંગમાં ઢૂમ કરવામાં
આવે છે. રાજયોના પ્રવાસની વિકાસ સુનિશ્ચિત કરવા સુવિધા સુધી કર, મનોરંજન કર,
દેશાની વેરી જેવા કરવા માઝાનાં પ્રવાસન પ્રોજેક્ટને પ્રોત્સાહન મળે તે રીતે પુનઃ
ગઢન અને સરળકઠાંક કરે છે.

❖ આનંદિત લાગીદારી : 

પ્રવાસન નીતિમાં રાજય તેલાદા અથવા પ્રોજેક્ટના આનંદિત લાગી કરવામાં આવ્યો છે. ઉદ્યોગ અથવા
અયોજન સુધારા મુજબ વાણી સ્થાપના પ્રવાસન
કરવામાં સબંધી પ્રોજેક્ટ પર રોડાં રસટાની આકાર્ષણમાં માટે છે. પ્રવાસન નીતિ હેઠળ ધારામાં આવેલા
પ્રોજેક્ટનું માઝાં જે રીતે રાજયાંઓ આવે છે કે જેવી વાણી કંપની મહત્વ સહસ્તગીતા
રહે છે. મન વિવાસી વાતાવવતી બારે રોડાં ઉપર દૃઢ મુક્તદાયું આવે છે.
♀ जिल्ला स्तरे प्रवासन विधासः :

प्रवासन येक महत्त्वाना क्षेत्र तरीके ध्यानमां लाई जिल्ला वहीवटी तंत्रो द्वारा प्रवासन स्थलोनी विधास अने उत्तेजन मात्रे डावेरोजना धडी काढवांना आवश्यक.

5.3.3.5. मानव संसाधन विधासः :

प्रवासन क्षेत्रांना तालीम पांढेरी समावेशाच्या मांज वपटा होळेर मेंजळेंट, ज्या अंश त्रावेल्स वर्गेर क्षेत्रांमध्ये पावानुं शिक्षण आप्पवा शिक्षण क्षेत्रे आ मात्रे आलयावसकम दाखल करवामां आवश्यक आलयावसकम यथावती संस्थासेठे निम्नांगूळा तथा संघातल्यांने उत्तेजन आप्पवा मात्रे राज्य सरकार द्वारा राहत दरे जमीन पूरी पावांमां आवश्यक अने तेवने जुडूंज मंजूरी जतप्ती आप्पांमां आवश्यक. तेजस तेवी विस्तारस्ती तालीम पूरी पडे ते मात्र तेवन भेष अने विदेशी नामांकित संस्थासेचे संघात ध्या मात्रे प्रकाशीन आपासी.

राज्यना विभाग प्रवासन स्थलांमध्ये आवथा प्रवासीने मरी किरी तेवा बांधवी टूरिस्ट मार्गार्थक धारा प्रवासांमध्ये माली रहे ते मात्र आलयावसकम तैयार करवामां आवश्यक. डीज्टाल क्लिम्ब्वर्निशननं समावयां प्रवासींच्या प्रवासींच्या द्वारा मुलाखत तेवानार स्थान विशेषनी संपूर्णा जुडूंजे तेवने सहेलावधी माली रहे ते हेतूंज डीज्टाल टूरिस्ट गाइडनो येक विद्याच्या विधासांमध्ये आवश्यक अने प्रवासींचे जे ते स्थान वेश्यांसंपूर्ण माहिती टूरनेट पर सहेलावधी माली रहे तेवा प्रयोगाने करवामां आवश्यक आहे डीज्टाल व्यालने प्रकाशीन आप्पवांमां आवश्यक. आ डीज्टाल टूरिस्ट गाइड वडकापारी पण.

5.3.3.7. माहिती

गणरत्ना विद्यार्थींच्या अन्य राष्ट्रीय विद्यार्थींना साधे हॅ-मेल द्वारा सांबंधित आदन-प्रदान मात्रे प्रकाशीन आवश्यक. आ प्रक्षेप दर्शावणारा पारस्परिक संस्कृतिमध्ये रस बृहद श्री अने गणरत्न राज्य प्रत्ये विदेशी प्रवासींना आकर्षणात वधवी. आ प्रक्षेप देता आप्पवा हॅ-मेल कलम चेप गणरत्नी रचना करवामां आवश्यक.
6.3.3.8. ગુજરાતના આદશ મુખામ અનાવવાની રૂપરેખા :

❖ આયોજન અને યોજણાની તકો :

પ્રવાસન નીતિ 2010-2010 ગુજરાતની પ્રવાસન ક્ષમતાના તમામ પાસાઓને બહાર લાવતા સર્વજનિક કાર્ય કરે છે. હકીકત કે વિકાસપ્રભાવી સહકારના અભિગમણકત નીતિ વિકાસ નિષ્ણાતીના વધારવું કેટલા રીતે પ્રવાસન નીતી રાજ્ય તથા અન્ય રાજ્ય રોજાં કરવા ગુજરાત રાજ્યના પ્રવાસન ક્ષેત્રમાં નહીં આ લાંબાબાલાનું રોજાં કરવા માટે એક અનેરી તક પૂરી પાડે છે.

❖ પ્રવાસન ક્ષેત્રમાં સંબંધિત વિવિધ રોજાંણાની તકો

➢ આતિથ્ય ઉદ્યોગ
➢ પ્રથ્યાપક રાજ્ય પ્રવાસન
➢ વિશ્વ ગ્રામ યોજના
➢ કાયદાના કામ પાક
➢ પ્રેદલ માછણી દ્રશ્યો વચેર સાહીની ક્રમી પ્રેદલ
➢ જિપ ડ્રાઇવિંગ, ઉશર લીચ વગેરે
➢ ગોડેક કોર્સ
➢ રોયલ ઓફિસનેટ ગેજ પ્રુંનાર
➢ પ્રાચીન મનોરણા વિસ્તાર
➢ રસ્તા પાર પ્રવાસન સ્થળનું નિમન્દો

6.3.3.8. વિવિધ પ્રોજેક્ટમાં તકો :

ભારત અને વિદેશીના આલંબાની સાહિત્યની આવાનાર દાસ શિરોમાં નીચે મુજબના પ્રવાસન પ્રોજેક્ટની તકો ઉપલબ્ધ કરાવશે તથા તેમને પ્રોટોકોલ કરશે અને માધુર્ય કરશે.

❖ આતિથ્ય દેશોની તક :
होटेल, तंबु आवश्य, विश्लेष विलेन होटेल, प्रायोगिक संस्थान वेल्हम होटेल वोरेना निम्न वर्त आतिथ्य उद्योगने वेग मलाशी. आ सुविधाओमा साधि सारे शोपिंग एक्सेंड (संकल), ब्युटीक्स, थीम रेस्टोरंट, ब्युटी पार्टर वोरेना निम्न याेशी

❖ दरियानी मोज मोजः

पसंदृगीना ८ बीच पर रिसोर्ट अन्ने बीट स्पोर्ट्स विकसावादां आवश्यकता हे ज्ञान स्वयं वातावरण, लोन तेजस्त अन्य वनस्पति, सलामतीना पगाला अन्ने पुष्कर प्रामाण्यम दरियानी मोज हो. आ रिसोर्ट पर तेनी आसपास सहिंग, वार्ती, अन्ने सुधा प्राकृतिक ज्ञान रखतो विकसावादां आवश्यक.तेधी अन्य सांबधित उद्योगो अन्ने आस शोपिंग सेंटरसेच पाने प्रोत्साहन मलाशी.

❖ आराम करी, आनंदकरी अने ताजामाज ठावोः

आनंद, आराम अने आरोग्य माते आस मनोरंजन विस्ताराची विकास करवावां आवशे. वोटरपाक, शाडीक, आलडींगुं, कलब, थीम पाक, थीम रेस्टोरंट, वार्ती पाक वोरेना विकास करवावां आवशे.

❖ लागवानांतरी पोलाना घरीः

यात्राधामांतरी प्लान, असरकार परंपरेने वाचक वेबसाइट होटेलो(अ.सी.सुविधा बाते) नूं निर्माण करवावां आवशे. मजबूत लोकशाख पोलासतो सारी रेस्टोरंटस तेजस्त धामिक अने अन्य येथावस्थाओ राहता सोरी आवा यात्राधामोनी आसपास विकसावादां आवशे.

❖ बंध अने नहर व्रासन:

नहरी कांडे अने नहरेना मोटेलस, दृष्ट दृष्ट, कोईटे थीम रेस्टोरंटस,शोपिंग सेंटर वोरे सुविधा उडी करवावां आवशे. बॉटींग अने स्वाभानि वडाराना आकर्षी हो. नावीन्यपूर्वी आनंदी रोडाने अने लिपुसल्टाने प्रोत्साहन अने सक्षम अपाशे.

❖ प्रवासीयो माते सुविधा-सर्वत्रः
એક મિરશ્તર પ્રવાસીને જોઇને વાહન માટે છેપડું, પેટમાટે જોરાક અને ડીશ થવા જીમ, તથા પાણી સહાયો સહયોગ અને રોકાણ દ્વારા 20 સખ્તીઓ (એક જોનમાં પાંચ) કિંમતો, ટેક ડેમ તેમજ અન્ય સુવિધા ઉપલબ્ધ કરશે.

❖ ગોડકી દેશ

ગોડકી દેશના શોષણનો માટે ગંધીનગર, અમદાવાદ, વડોદરા, સુરત અને કૃષી અમ પાંચ સખ્તીઓ હસને વિશેષ કરીને વિશેષ પ્રવાસીઓ માટે ગોડકી દેશની સુવિધા ઉપલબ્ધ કરવામાં આવે છે. વિશેષણી આયોજન ગોડકીપસી પ્રવાસીને તો બાદનું મળી જશે. આ માટે જરૂરી છે.કપદાલી,લોકાંક કરવાની તેમજ આ રમતને મોતા પાંચ પોતાની સંપૂર્ણ કટિવતતા છે.

❖ રાજનીતિ થીમ પાઇ

કરોડી વચ્ચે પૂર્વ ગુજરાતમાં નવનશ કરતા અથવા રાજનીતિ અને દુર્ભાગ અવશેષો આધારિત રાજ્યનીતિ પાઇ બાલસિની તથા કૃષી બાત નથી નિર્માણ પામશે.

❖ વિશ્વામ્ર ગોઝના : 

દેશ વિશેષણ ઘરેના નમુના ધરાવતી વયાતંત્ર સાધનના ગમાડ કોલકાતા કરવાનો વયાત રોટેટ વિશ્વામ્ર. હશે પ્રવાસીઓને પૌતના ઘર જેવું લાગે છે. હી રોટિયન અને શોધણ આધીન સાર્વજનિક અપીલ કરવાવા હોય છે. વિશ્વામ્ર સંક્રમિતથી લોકી ગુજરાતની સંક્રમિત, લોકી અને કાણાી જલા પામશે.

❖ મણ્ડલાર ધરાતી અને મણ્ડલાર દર્શકો : 

દર્શયક્રમને પુષ્કળ પ્રમાણની દર્શયક્રમને પ્રસાર કાઢવા તથા દર્શયક્રમ વાંચાતી અને ઉતારવાના સથ્યની માની રહે તે માટે કાઢા વિસ્તારોમાં કુદરતનો કયા અને કેટલી વાતાવ્ર્શે શરૂ કરવા આવોજન કરવામાં આવે છે. લોકાંક અને પ્યાધુણકીય તકી ધાળી છે અને સરકારની નીતિ આખા સાહસોને પોતાની કરવાની છે.

❖ શાહી સક્રિય :
ગુજરાતનું ગીતવ સમી રીયલ ઓરિયેન્ટ ટ્રેની પ્રવાસી ઉપયોગીતા વધારવા\n\ntનું મીટર ગેજ માંથી બ્રોઝેટમાં પરિવર્તન કરવાનું આયોજન છે. આ ટ્રેન ગુજરાતના\n\ntુલફાર સમૃદ્ધ વાર્સાનું દર્શન કરાવી છે.

❖ જુઓ શાખ ગુજરાતમાં:

હુ, જુઓ શાખ ગુજરાતમાં, પ્રવાસન નીતિ અંતગત યોજાવુક, વેશાવણ તેમજ\n\ntરકા નજીક બની પોઝેશનમાં દર્શાવમાં શાખ માધ્યમની દર્શનની યોજના કરવામાં\n\ntાવે. સંપૂષ સલમત સ્પીડ બોટ પ્રવાસીઓને શાખ જોવા લાગ જશે.

❖ દર્શાવની નીચે ઈક નગર:

બિસ્કાળી શ્રી કુંભીમિ એવા દરકાર નગર વિષે સંશોધન કરોનું માનવનું છે\n\ntે સમગ્ર નગર દર્શાવની નીચે મીટર છે તથા અંતર રોમાંચકકારી સંશોધનની પ્રવાસીઓને\n\ntપ્રયાસ કરવા માટેના પગાળા લેવાય રહ્યા છે. આનગી કંપનીઓના સહયોગ વડે,\n\ntાયી નીચે રહેતી દરકાર નગરી પ્રવાસીઓને દેવકાવવા માટે કાયના તળિયા કરાવતી\n\ntીને આયોજન છે.

❖ છો દ્રિષ્ટમ:

મનુષ્ય જીવન સાથે પરાચીત જોડાયેલું છે. વિવિધ પ્રકારના પસુ-પક્ષી,\n\ntાનું, વાસપતિ, અદ-પાન, પાક્ષી વગેરે મહત્તી પ્રવાસીઓને આખાય છે. સાંસ્થાનિક, દઃતી\n\ntાંકેવ્ય, ત્રાશ, વેશાવણ, દર્શાવની જાણસૂચી-જાણનગર વગેરે શિક્ષણે છો દ્રિષ્ટમનો\n\ntિક કરવામાં આવે છે. આનગી કેટ્ટના લોકા કરાવે છે આ કેટ્ટના લોકા કરવા માટે\n\ntાંકા કરવામાં આવે છે.

❖ શાલ-વિકાસ સાથે ગુજરાત:

દિલ્લીને પોતાને અને વૈશ્વિક અલ્લિગમનું ધંમકી શે આખા માંગ છે.\n\ntો દરાર શિક્ષણનું કેન્દ્ર પર અધારિત ભારતી સ્વયં વિકાસ ગુજરાત\n\ntાંક સિટીનું નિર્માણ માંડવા આતે કાયદા ધરાવું છે. શાશ્વત વિકાસગીયોદી લાલ\n\ntલ નાગરિકો માં વિકાસ પ્રત્યે રોટ્વ વડે તે ઉજવા વિશ્વસ સીટી ટેસ્ટ ભારતનું
सर्वप्रथम आईमेक्सश्रीडी थीवेटर, सिम्युलेटर, म्युलिकल शाउटेन, एलसीडी स्क्रीन,
अनेक पार, स्पेस एंड क्रेयर्स इंडियन पेडेटिवन वोरेन निर्माण हाथ धारावं के ज
आज कार्यरत है। अहिंसी थीम है। ‘अंजुनेंनेन्ज’ भेटे के मनोरंजन माध्यम लिखित।
अहीं वीर धर रहेता विविध पेडेतिवनां जत अनुभवी प्रवासीयों विवस्तरीय
ट्रेन्नोलोज वेलोवी शक्ति। आ नीति अंतर्गत राज्यवान अव बागोमां पंप विश्लेष केनो
उभा करवावं आयोजन करावं है।

◆ संघम, शासिमा, गप्पामी :

मोर्च गुम्बा गुरुजत राज्यवान वृक्ष धर्मम कर्मो वहीं धर वरी होत। जुनागढ,
तगाज, लावनगर वोरेन मली आवेल गुप्तो अने थामरमा रावा बीलधर्मना
प्रवासीयों उपरोक्त शम्भ आकर्ष शे। जुनागढमा समाप अशेकना शिलालेखो जोरा
मो है। दक्षिण पूर्वी अभियंता अने श्रीलंकना वृक्ष प्रवासीयों माहिती आपवां
आवाशी। अने अ श्वसो में आमांत्रित आपवां आवाशी। आ श्वसों संरक्षणां अनेक
रीतिरुपं गंगध हाथ धारावं आवाशी। सारानाथ, वौधग्या, श्रीनगर अने अनवर
वाजीता वृक्ष यात्रामां जैसी रहेवां सुमाध अही विकसाववां आवाशी।

◆ आपानी हेडः

महत्तम गंधीजू जनसंघ, तेजोन वार्तम आले निवास, वांकीयान्त्र,
इयाब आप्रां तथा तेजोन अमाराव रोजाँ वोरेन वैज्ञानिक वार्तो आवाशी
लेवं पेकेज बनाववां आवोजन है। गोमा समाध पत्रिका, रहेवा मन्द्राप, प्रवासन बार्ग
नकशा, प्रवासन जोडां वोरेन टाइम करने प्रवासीयों आपवां आवाशी।

◆ लोहपुरूम सरदार पटेल

लोहपुरूम सरदार पटेल तेम्ना सम्जे जवन टेक्सार बनावित कर्म। सरदार
पटेलका जवनका दरम्यान अनुभव अवतारी विविध घटनागो शेम के स्वातंत्र्य
यावल्ल, असहयोग अंदोलन वोरेने आवाशी लेवं करमसक, वोरसक, बारोटली, सुरत,
केरा अने अमाराव वोरेने श्वसों समावेश करत विषेष प्रवासी पेकेज बनाववां
આયોજન છે. મહત્ત્વની સમગ્ર આંતરરાષ્ટ્રીય સૂવિધાઓ અને પ્રવાસ માર્ગના નકશાઓ તૈયાર કરશે.

♦ પ્લિટ શયામજુ કૃષ્ણ વર્મા :

માંડવી-કર્મામાં જેમલે અને ઉદ્ધરલા ગુજરાતના પનોતા પુત્ર શયામજુ કૃષ્ણ વર્માને ભારતની આખરી માટે વિભિન્ન અંદર ભૂષણ ગાજા. માંડવી જાણ તેમનું ધર કબજે એક સમાચારમાં કેરલમાં આવશે. તેમજ તેમની વિચારોની અલગ અલગ કાળજીનો અને સામગ્રી તેમની રાજ્યોમાં આવશે. આ જાણતી પ્રવાસન નીતિની પ્રથમનિતાથી શાનદાર ધરાવે છે.

♦ સવા જ સવા :

ઉપરેક સયોના પ્રવાસી સયા તરીકેના વિકસ સાથે પ્રવાસીઓને ખરી ભેટી સવાઇ અને વિશેની વાનગીઓની સાગર, વધારે ઓફ ક્રુ ક્રુ, થિમ ક્રુ વગેરે સુવિધાઓ ઉભી કરશે. વારણી હેલેટ માલિકો અને રસ્તોરેન માટે આ ક્રેટેની સારી ધંધાયી તક છે.

5.3.3.10. સરકારસ્થી દ્વારા આમતિકરણ યોજનાઓ :

પ્રવાસન નીતિના ઉપરી અસરકાર, સમયગાળા આમતિકરણ માટે ગુજરાત ચંદ્રયાત્રિયલ પ્રમોશન ક્ષેત્ર (જ્હ.આઇ.પી.બી.) ની સેવાઓને તલામ લેવામાં આવશે. હવે આથે કિમરાર અથવા આમતિકરણ માટે અખિલ ભેટી યાદીમાં તરીકે શું કરશે. પ્રવાસ ક્રોડ વિવિધાયી ઓફ મૂકી રોજગાર ઘરવાતી પ્રોજેક્ટ દરશાવતો રાજય સરકારના સ્ટેપ મોબિલ કરવામાં આવશે. જ્હાં પ્રવાસ ક્રાએ થી વધુ રોજગાર ઘરવાતી પ્રોજેક્ટ દરશાવતો જ્હ.આઇ.પી.બી. દ્વારા મોબિલ કરવામાં આવશે. જ્હ.આઇ.પી.બી. અધીનમાં પદ્ધતરી સુધારા-વધારા કરવામાં આવશે. જ્હી અને આમતિકરણ માટે અધિકારીઓનું વધારણ થતું થશે. જ્હ.આઇ. આમતિકરણમાં તબક્કે સભ્યે મોનીગરી કરશે અને યોજના પ્રમાણે સાર્થ પૂંચ કરશે. જ્હ.આઇ.પી.બી. સંબંધી પ્રવાસનના લગતી વધી બાબતો માટે કિમરારશ્રી, પ્રવાસન અને મેનીગર ડીપટર્શ્રી, ગુજરાત પ્રવાસન નિદામ તી., જ્હ.આઇ.પી.બી.ના સરધાવલયની સેવા પૂરી પાડશે.
સૌથી વધુ ગુજરાત ના જમીન પર મહામારીના ક્ષેત્રમાં નિયંત્રણ કરી રહ્યો છે. તેમજ ગુજરાતનાં પ્રવાસન સંદર્ભમાં વિડિયો ક્રમમાં વધુ હોય છે. ગુજરાત વિડિયોના લાભમાં વધુ અને વધુ વિસ્તૃત વિષયમાં વધુ ઉત્તમતા મળી રહી છે. તેમજ ગુજરાતનાં પ્રવાસન સંદર્ભમાં વિડિયો ક્રમમાં વધુ હોય છે.

નવી ટીવિયોની અનુસાર નવી ટીવિયો ક્રમમાં વધુ ઉત્તમતા મળી રહી છે. ગુજરાત વિડિયોના લાભમાં વધુ અને વધુ વિસ્તૃત વિષયમાં વધુ ઉત્તમતા મળી રહી છે. તેમજ ગુજરાત વિડિયોની લાભમાં વધુ અને વધુ વિસ્તૃત વિષયમાં વધુ ઉત્તમતા મળી રહી છે.
गुजरातनी प्रवासन क्षेत्र विकास के लिए विकासी इतिहास किया जाता है जिसमें मुख्यतः नरेन्द्रमोदिना और उनके अन्य विकास क्षेत्रों में प्रवासन विकास का लगभग सभी क्षेत्र जैसा है।

इस कारण में प्रवासन मंत्री कार्यालय के जश्न के लिए गुजरातनी प्रवासन क्षेत्र सरकार ने बूथों की गतिविधियाँ १४ दिनों में आयोजित की थीं। इनका लक्ष्य है कि राष्ट्रीय सभा ने समस्त जाति समूहों को नया क्षेत्र अभिव्यक्ति करना। पहले, हेमेन्द्रविदेशिनां पर्यटकों मात्र ही हो करना है। इसके अलावा मात्र तीन वर्षों में, यह एक स्वयंसेवक मात्र ही हो।

प्रवासन मंत्री कार्यालय सरकार ने सभी धारा रोजगारीका उच्चता को अपने जानकारी के लिए विशेष ध्यान दिया है। वे भविष्य के लिए भोजन का विकास मात्र ही गुरुङता समय बृहत मात्रा में उपलब्ध होना पड़ता है। पर्यटन-प्रवासन क्षेत्रों विकास मात्र रूप से सकारात्मक भी होगा।

संयुक्त राष्ट्रीय गरीबार्नी जिसमें विश्वविद्यालय करार्वा राजस्थान ने प्रवासन विकासों अनेकविध आयामों संपन्नता पूर्वक अपनाया है। वे हेतु जो नहीं, राजस्थान में प्रवासन मात्र प्राताहक वातावरण सज्जा, प्रवासन सुविधाओं उठी करवा अनेक भारत में प्रांतकार्य वातावरण सज्जा, राजस्थान में प्रवासन मात्र प्राताहक वातावरण सज्जा, प्रवासन सुविधाओं उठी करवाया अपने प्रवासन संपन्न आंदोलनाणां निर्माण मात्र अनेकविध पहल कर चुके हैं। सुप्रसिद्ध अभिनेताओं के इतिहास बदलने वाले अभिनेतार हरे तरीके गुजरात ने मात्रवाण प्रेमपत्रक विकास के हेतु विविध गतिविधियों में मात्र आधारित हुए है।

गुजरात ने प्रवासन निगमने जश्न कार्यक्रम आ बेहद उपलब्ध और दृष्टिगत वॉल और धारक विश्वविद्यालय अवधारणा अवसंचित विवरण मिलने के लिए प्रवासन मंत्री श्रीमती बनया है।

5.3.3.10.1. मुख्य गुजरात की :
गुजरात राज्यना बृत्तपूर्व मुख्यमंत्री अने हाताना भारत देशना वडापाट्टन नरेन्द्र मोदी अने बीज-ग-बी अनिलाल बख्सने ‘भूमि गुजरात की’ कार्यक्रम द्वारा गुजरातने विध प्रवासन नकेलमां गौरवनतु स्थान अपात्य छे. ‘भूमि गुजरात की’ अन्तर्गत गुजरात प्रवासनना बाण अंतर्गत अवधी निर्माण अने निर्माण साधे गुजरातना प्रवासन विशेषतने विध समक्ष मुख्यांमा अमूळ योगदान आले छे. ३३ तेनी गुजराती प्रजा अनिलाल बख्सन पुढे अंतःकरणी लागेली अनुभवे, अने तेनीही गौरवपूर्व आवार व्यक्त करे छ. आ योजना अंतर्गत गुजरातना १६ स्थानो आयरी तेवथा छ. आ “भूमि गुजरात की” कार्यक्रमनी प्रवास म्हे २०१० थे हक्क करवाला आल्यो. ३३ अनिलाल बख्सनी गुजरातने विध प्रवासन नकेलमां गौरवपूर्व स्थान अपात्यांमा तेतमी काळी महत्वाचे राहिले छ अने तेनी कारणातील गुजरातले प्रवासन हे ते विवाहनी हरवलुण बरी छ.

गुजरात सहित हेक्स स्थानकृ त प्रवासन-वैविध्याची महत्व विशेषता छ जे विश्व समक्ष मुख्यां आपल्या त्रिकोण अपनावयीं जोळेचे. भारत सरकारने गुजरातली प्रवासन विशेषताने केंद्रस्थाने लागवणु स्थान करतां श्री नरेन्द्रमोदी जीलीचे जोराच्या केंद्र सरकारनी प्रवासन विशेषक विकासचे बांधणे स्थान अपात्य छे. परंतु जीना सिंह पूर्व उदासीनता छे. भारतना प्रवासनी विशेषतांमधून विश्व समक्ष मुख्यां राहे आपले आपली प्रवासन विवाहनी महत्त्व हिमवत्पूर्व रुजु करतो जोळेचे.

गुजरात प्रवासनना सहयोगीही छिंदियन खेलकोर्स एवढो एवढो ट्रेवेल्स एव्हरीटुरीस (IATO)-नु राहुल वार्षिक संमेलन गौरवनगरां योजना हसू. जेम्बा विविध राज्यांना १२०० प्रतिनिधियो बाग तह राहे छे. आ संमेलननु विषयवस्तु “भारतीय प्रवासन : आपले विचार मात्र सक्षम शीर्षे” अर्थात रामां आपल्यं हसू. आ संमेलनामां मुख्य मंत्रीलेखे जोराच्या केले, गुजरात प्रवासनी विकास अग्रगतीके सेक्टरमधून धक राहे छे. अने ठेवला एक ७ वर्षमां गुजरातना भारतीय पर्यटकरी टाकावली विकास १३.७ टका उपर वाघी छ अने इतिहास पर्यटकरी संघर टका उपर पर्यटकरी छे. जयश्रे भारतना पर्यटकरी विकास २व आढळ टका सर्वराश छे.
ગુજરાતના ધોનાબીરા અને લોખ્ટ જેવા કારો વર્ષની સુસંખ્યત માનવ 
સમજની નગર રચનાઓ એ માટ્ર ગુજરાતની જ નહીં, હિંદુસ્તાનની વિશ્વને પ્રભાવિત 
કરી શકે તેવી વિરાસત છ આટલું જ નહીં, ગુજરાતના સૌથી સમાપતની હરારી થીએ 
મીટરતી તુતનામાં સ્થિત વૃદ્ધ કે હવાના કરાણા સિરે નીચકે યાણની રતનનું સૌથી જે 
વિશ્વના પર્યાવરણ છે નેળા આધ્યાત્મક ઓફિસ એ 
વિશ્વના પર્યાવરણ છે નેળા આધ્યાત્મક ઓફિસ એ 
જનમ્યુ-સંપૂર્ણ વિરાસત ભાવે ભાવના આધિત કરી શકે તેમ છે, તેમ પણ 
લખે જતાયું છતુ.

માન્ય મંત્રીશ્રીભે ભારત સરકારના વિભાગ સ્થિત રાજ્યદ્વારાથી રાજ્ય સરકારે 
સાથે સહ્યોગ કરીને હિંદુસ્તાનની પ્રવાસ વિરાસતના વૈશ્વિક વિશ્વ સમાજ મુક્તાવાની 
રૂપરેખી બાર મુકાયે છતુ.

હેદ્ધમાં પ્રવાસ વિકાસ અંગે નવતર સુધી કરાં શ્રી નરેન્દ્રમાની મોલીયે 
હિંદુસ્તાન બહાર રહનારા ભારતવંશીયોને વાર દરમિયાન ૧૪ નોલન-ડીક્યુનિયન 
પરિવારોને ભારત દેશની માટે પ્રવાસ હતું સર પ્રેરિત કરે તો ભારતના પ્રવાસ કેટ્ટો 
વિકાસ કેટ્લી હોય પર પહોંચી જે તેની બુઘ્ભિમા પાણી આપી છે. ભારતમાં 
આંતરરાષ્ટ્રીય વિમાનમધ્ય ઊપર ટ્રીજમ અંગેના વિશ્વસવાય જોડાવે, અમ 
જાહીર તેમજે ભારત સરકારે ભારતીય મુખના વિશેષજ્ઞ વસતા નાગરિકોને કુલભાવા 
માટે પર્યાયતતની વિમાની ટિકિટમાં જનકેશન આપવાની હિમત સાપે જોડાવે તે 
પણ ભારતમાં પ્રવાસ ની વિકાસ રીતે. ભારત સરકાર આ કરશે કે હેતુ 
તેની જે ભારત પાણી જેક હવા તો આ વાત સ્વીકારશે, તેમ પણ જાણાયું છતુ.

શ્રીલંધા સાથે ગુજરાત સરકારે સમજૂતતા કરાર કરશે છે. આના પરિસ્થિતિમાં 
રાજયમાં પુષ્ટ ઘામિક પ્રવાસ નૂં ઉતમ આક્રિવ છ અને સમાજ વિશ્વના પુષ્ટ લગભગાના 
અબઝૂમ્યમાં માટ્ર ગુજરાતમાં છ તેવા શ્રીલંધા માટે રામાયણ વિરાસતના પ્રવાસ આને 
પુષ્ટ પ્રવાસની પર્યાવરણ પ્રભાવ વિકાસો. તેમણે જે જાણાયું છ અને સમાજ વિશ્વના 
ખેલ અંગે કે જે હિંદુસ્તાનના સંખ્યા અને અભિસંદભ દેખે પણ સંબંધની વિશ્વ સાથે 
સેગુ સ્થાપિત કરે ખેલ જ ગુજરાત ટ્રીજમ અલામેન માટે મંત્ર કુટુંબને 
અાપ્યો છે કે "ટ્રીજમ વિવાહજૂ ધ વાર્દ-ટ્રીજમ બુલિયઝ ધ વાર્દ" હિંદુસ્તાનની
संस्कृतिमा प्रवास छेद संस्कार है। जे विश्वास अहिःपूर्त करी शक्ति ते है। भारत सरकारना रेख मंदराथे देखना पुसिल्ल तीर्थक्रत्रीङ्गो जीती त्रेनथा, सहीसनी आवाजी-जहर भागीराथींने प्रोत्साहन आपावु जेटी घेम तें माँग तुहऱ्युहनु हस्तु।

प्रवासन मंग्री श्री जयनारायण व्यस्ते गुजरात सरकार द्वारा प्रवासन क्षेत्रना विकास मात्र खाल हेलल प्रवासी विवाह आपातां जुलाविक हतं के, राज्य सरकारे रोलस्वास, पतांग महीनस्व, यावन्द नवाय, साप्तायस मोक्षुन इलेक्ट्रिकल जेवा खर्चकोमानुसार सकल रीते आयोजन कर्य है। गुजरात पासे छंदस्तुक्तकर हे अनेक सांग करी प्रवासनमा प्रथम स्थान हंसोत करो। पुस्ताघु शहियारा प्रवासीय प्रवासार्थी प्राप्तेला ठर ओपरेटर गुजरातनी समूह कता अनेक स्थापत्य, लोकसंस्कृति, प्रवासन धामोयी महिलगार थतेल प्रेम-विदेशनासहेलाल आचरण एव श्रेष्ठ माध्यम पत्र बनाले रहो, तेवी आशा तें माँग व्यक्त करी हती।

भारत सरकारना प्रवासन विवाहणा सरिव श्री आधा, बीय, प्रवासी जुलाविक हतं के, १२०के पंयपन्न जीवनान्ना पांच वर्षाने “अतिथि ठेवो लव” ना ज्याल साते भारत सरकार प्रवासनीय विकास कर्या मांगे थे अनेक या मात्र डेन-राज्य सरकारले शक्य तेटली वधु मद्द पूरी पालो। या मात्र प्रवासी योजनेवर वधु सारी सलामती, वधु सारा अनुबाध, वधु सारी महेन्द्र गति आपावु जेटी।

छिद्रन असोबिशेषण ओक टुर ओपरेटर ना प्रमुख श्री विजय ठाकरे गुजरातनां प्रवासन क्षेत्रनी अवसान संबंधणालाई द्याने तेलं टर्ल्लीम प्रोत्साहन मोन पावर ट्रेननी मोड्युल मात्र गुजरात सरकारसर्वपूर्व सहयोग विपवाही तपवाही व्यक्त करी हती।

गुजरातना प्रवासन विवाहणी विविधताही प्राप्तिहरुला रवये बन्यने कथनी ज्ञनशीलतीनी विशेषतालो। आदि राजनी आध्यात्मिक अनुमुक्त, बली मोदकामुल ओटाधणी लेखणी पुस्थालन, पाथबागणी राजकी वाह अनेक मोदेना सुर्खमर्फ्ट, गुजरातनी अद्वैत जनसंघवर्त्त वज़ीरनी उपरेंना विद्या समक्ष मूकी गुजरात प्रवासन क्षेत्रे भूम ज धाको रस दाढयो हतो। बीजवी गांधीनीतरी महत्तव महत्तर्थो अनोछा गांधी स्मारका तथा 365 दिवसनी गांधी जननीतानी प्रश्नाली, पंयपन्न व्यवनां
6.3.3.10.2. कक्ष नहीं हैमा तो कुछ नहीं हैमा:

गुजरात राज्यमा क्यञ्चनी वात आवे थेटे कहकर यानुं मन थाय के

शिवाने सोरात बलो, उनाने गुजरात
सोमासे वागा बलो, कखोडे बारेमास

आ खिलामा वसवाते लायक जलीन करता राज विस्तार वापसे हे. गजताना राजप्रेममा क्यञ्चनी राजप्रेम निरांगु स्थान घरावे हे. खेम के इलियामा अन्य राजोनी जम ते रेणां राज नंदी, ते बलोपात हे.33 आ क्यञ्चना राजानुं नानुं अने बोधे राज आवें दे.आ राजोमा अनुबंधे गुडामर अने सुरमान जेवा डुळस ज्यो माटे अन्त्यारणो आवेला हे तो वल्ली क्यञ्चना वल्ली पुढेरे क्यञ्चने आंतरराष्ट्रीय ज्याति अपावी हे.आ कक्ष खिलामा पवित्र सरोवरोंमानुं नारायण सरोवर, जैनों पवित्र वात्राधाम बदेशर, धीरोधर अने शाही डंगर, मातानो मठ, जैसल-तोलनी समाधि, गुजरातना सौदी पुरात संदर्भात्य, विजयविलास पेटेस, मुक्त व्यापार बंडर कंटला, मांडवी, मुरादपर्वनी दरगाह अने पारेक माटे जग प्रसिद्ध हे. आ माटे ज बीगनी अमिताल बयानजु स्वे दे हे ‘कक्ष नहीं हैमा तो कुछ नहीं हैमा’.33

6.3.3.10.3. सरकार द्वारा प्रवासन क्षेत्र मातेनी डेटलिक अन्य जाहेरानी34

गुजरात सरकारे प्रवासन लयणोना विकास अने प्रवासीसोने आर्थिक डेटलिक जाहेरानी करी हे. जे नीचे मुख्य भे.

6 पृथ्व फलतांमा गांधीजी व जनायकारी, १९१४ ना रोज दक्षिण आधिकारी बारत परत करीने स्वतंत्रता अंदोलननी मनात प्रजावित करी हती. तेनी यादमा विदेशमा वसवात करता २.४ करोड भारतीयाने व्येशमा आमंत्रण आपली तेमनूं स्वागत करकर उदेश्यां प्रबो बारत राधी समानानीत श्री अटल बिहारी वाजपेयीज्जना नेतृत्व हेन्यानी नामक सरकार द्वारा वर्ष २००३ वी प्रति वर्ष ३ थे व जनायकारी
दरम्यान प्रवासी भारतीय रिव्यु निवासी परंपरा बहुत करवाए है।

- वर्ष 2015 में जैतिकसिक प्रसंग के 100 वर्ष पूर्व वाहन अवसर पर युवराज सरकार द्वारा 2015 में आर्थिक महात्मा गांधीजी के जन्मदिन पर जुटकी प्रस्ताव राष्ट्रवादी आयोजित करवाया गया था।

- विशेषता परिसर में वसंत आपाती युवा शक्ति के अन्तर्गत वर्तमान साबित जीवन आत्मा है।

- एंडी कुटियो: महाना मंडल परिसर में 8000 ऐडू-विस्तार 8000 युवा मानवी अध्याय 'एंडी कुटियो' का निर्माण करवाया गया। एंडी कुटियो का राष्ट्रपिता महाना गांधीजी ने उपर आधारित ओडियो विज्ञापन के तहत मेनेज टैक्नीकल एक यात्री प्रवाशन बनाया। आवृत्ति भी। गांधीजी ने वातावरण पर्यावरण सुधीरा मोटामो मोटें भी प्रवाशन किया।

- अवार सुधीरा 12 प्रवासी भारतीय रिव्यु समारोह नवी दिल्ली, मुंबई, हैदराबाद, जयपुर आदि के स्थानों में आयोजित करवाया गया। यह अंतरराष्ट्रीय प्रतिभागी भाग लियो है।

- आर्थिक सीमा से बाहर संचार रिव्युओं के विशेष रूप से टिकट अन्य 'कस्ट रो' के बाहर पाठ्य प्रकाशित है। आर्थिक सीमा से बाहर संचार रिव्युओं के विशेष रूप से टिकट अन्य 'कस्ट रो' के बाहर पाठ्य प्रकाशित है।

- आर्थिक सीमा से बाहर संचार रिव्युओं के विशेष रूप से टिकट अन्य 'कस्ट रो' के बाहर पाठ्य प्रकाशित है।
➢ આ કાર્યક્ષમાં માનવની પ્રધાનમત્રીશ્રી, ભારત સરકારના મંત્રીઓ, અને 
સરકારોના મુખ્યમત્રી તથા ગુજરાતના મુખ્યમત્રી અને મંત્રીઓએ ‘ઓદે 
ભારત, શ્રી ભારત’, રાજ્ય હિંમત દીધીયા, મેધાની છેન હિંમત દીધીયા, સ્વીલ 
હિંમત દીધીયા, યુઝ હિંમત દીધીયા, છંદધુલીવ હિંમતની યથા-કરીને 21 મી સરહદે 
ભારતની સતી બેનાવવાનું માગ્દેશન આપ્યું હતું.
➢ ગુજરાત સરકારે ‘સ્ટેટ્સ ઓદે યુનિટી’ સરકાર પેલની વિધાનમાં રીતમાં 
ઉદ્યોગી પ્રવાસનનું નવું દેશ બનશે.
➢ પ્રવાસન, પાળ્ય યાત્રાધામ વિકાસ અને નાગરિક ઉકેલન માટે 3 850 
કોલોની જોગવાર ગુજરાત સરકારે આમતમાં મૂકી છે.
➢ સ્વિપર્વયુથ ટ્રીજીમણા વિકાસ માટે યાસ્કો-કરનાગી, બેટ બાળક, 
પાતકાલ, કલપાપુર, મહીકારી વડ સહીતના વિબિન્દ સખલના સર્વત્રી વિદાન અને આંતરમાલાનગરના સુવિધાઓ માટે 3 185 
કોલોની જોગવાર કરવામાં આવી છે.
➢ ઘરીચ દામ નજુક સાથ નગરીના વિકાસ માટે આ સાથ 3. 1 કોલોની 
જોગવાર કરવામાં આવી છે.
➢ કેસટલ ટ્રીજીમણા વિકાસ માટે 3. 8 કોલોની ઝાડવાળી કરવામાં 
આવી છે.
➢ અંડલેશર, પાળીતાપા, મોરબી, દખર, બારક અને ડાંતે આટે ચેર્સ્ટ્રીપ 
બનાવવા 3 100 કોલોની ઝાડવાળી કરવામાં આવી છે.
➢ રામેલ્ડમાં અઝ્જુન કુઠ, પંના સરોવર, સાબીથામ, રામેલ્ડ, પંખા 
એકાઝ તથા બંધ સરોવર (સિકપુર) અને નમ્બર્યાંશ સંગમ સખલ સહીત 24 દેવસાદો 
આટે આંતરમાલાનગરના અને સોલાર ઉજ સુવિધાઓ માટે 3 39 
કોલોની જોગવાર કરવામાં આવી છે.
➢ રાજય સરકાર હેટડકાણા છ પાળ્ય યાત્રાધામ અને 352 દેવસાદોના 
3 29 કોલોના પાછે વિકાસ કરવામાં આવ્યો.
> छोटे दूरी कमना बजाऊँ, संगाता गीता गीता, खेल, किलोग महात, आएंद्वा खेलेक मनाय तमाय तुम्हारा बजाऊँ खेल चरा अन्य हेम साँझेना बिकास माते ३. १८ करोड़ निर्माणक करवामा आवा चै.
> शामिल पालना देनी मोरी आते बागवान बुलना जीवितकर्ता अवशेषो आधारित येक संकुलना निर्माण माते ३. १८ करोड़ निर्माण करवाय करवामा आवा चै.
> विश्व राष्ट्रीय निर्माण, रोडव्याधिकरण अने संस्थानी अनुपूर्ति याथ अने स्थानिक लोककृत आधार तास याथ ते माते “होम-स्टेन नीतिरी जहारेक रिवाज करवामा आवा चै.
> गुजरात निग्रासन दिवस माते ४५०० युवाकर, दुर्गृह गाडकर तासीम अपभियो आवा हती.
> गुजरात निग्रासन अभियान जीवितकर्ता सीमानी संभाल वढाने पर ३६ जोली वर्ष खप गए चै.

5.3.3.११. प्रवासन नीतिना सामातिक श्रेयसाठी:

पत्रकृत ६५ तास झिंपियाना जोडीकु पर तासबाज ४० जोलीली नोकरीली तके उली यासे. प्रवासन कृत्रिम पावण मोहुँ मुद्रिकोना आकर्षने ते मुद्रिकोना झोला राज्यां मराठगारीनी विपुल तके उली यासे. प्रवासन कृत्रिम अन्तर्गत तेखार यसार विविध छिन्नज्ञानुक्रम झोला राज्याचा झुगाने वडाने तासीम वडासे अने तेलो हानु मराठगारीनी तके मगे. जे ते प्रवासी स्थान पर आवेदली स्थानिक झुकीमाली कला-कारोरगरी जीवित्तुयो वडाने देखाली तके वडासे. जेथल्या ग्राम्य अध्यवसाय मुद्री वडासे.

नवी टेक्नोलॉजियाचा आधार ग्राम्य कारोरगरी उद्यानकता वडासे अने तेलोही जीवित्तुयो वडु हिरात मगे. ब्राह्मजी झोला विविध झालुक्यासो वडु सारु वासन मसत रिवाज करवाय करवाय आवे. वडासे, एन.डी.ए., एन.डी.ए., एक.डी.ए.. तथा अन्य संस्थाने हस्तकला गावण देखाली गावण देखाली दिली.

35
એક માનવતા પ્રવાસી તરિકે, એક બહુમુખ્ય રોકાણકાર તરિકે તેમજ વિવિધાંગી સામાજિક, સંસ્કૃતિક તાલુકાવાણને વવ્ય સમૂહ બનાવવાર એક મિશ્ર તરિકે ગુજરાતનો આપને સાદ (અમંટાર) છે,

૩.૪. ગુજરાત સરકારની મહત્વાકાંક્ષી પ્રવાસન નીતિ ૨૦૧૫-૨૦૨૦

ગુજરાત રાજ્યની પ્રવાસન કેન્દ્રે થોડા વર્ષોમાં ધારી વિકાસ થયો છે. રાજ્ય સરકાર પ્રવાસન કેન્દ્રેના વિકાસથી રોજગારીમાં વધારો કરવામાં સક્ષમ રહી છે. રાજ્યના આવશ્યકતા વૈશ્વિક - રામક અને સંસ્કૃતિક વાર્તાને સંખ્યાંકને દેશ શહેરી પ્રવાસીયોને આવક્ષયમાં આવિ રહી છે. પ્રવાસન કેન્દ્ર સંબંધિત વિકાસને ધાયાનમાં લઈને આગામી સમયમાં તેના સુપ્રેષ વિકાસ કરવા પ્રવાસન નીતિ - ૨૦૧૫ની જહેરાત કરવામાં આવી છે. આ નીતિ અંગેની વધુ વિગતો આ પ્રમાણે છે.

ગણતરીન ગુજરાતના પ્રોટો આવારીલી મુખ્યમત્ર શ્રીમતી આનંદીબહેન પટેલેના માગણીશેન કેઠલ રાજ્યમાં પ્રવાસનને વેજ આપવા માટે ગુજરાત સરકાર દ્વારા નવી પ્રવાસન નીતિ જહેર કરવામાં આવી છે.

પ્રવાસન મંત્રી શ્રી સૌરભાવા પટેલ જાણવાનું હતું કે, મુખ્યમત્ર શ્રી આનંદીબહેન પટેલેના નેતૃત્વ કેઠલ ગુજરાત રાજયની સ્થિરતા થયા હથી પહેલી વાત પ્રવાસન કેન્દ્રે ઉદ્યોગી દરજો આપવામાં આવ્યો છે. આનંદીબહેન ઉદ્યોગી માગણા જધા લાલો હવે પ્રવાસન કેન્દ્ર માગણા થશે.

આ ઉપરાત તેથી શ્રી જાણવાનું હતું કે, ઉત્તરેં પ્રવાસીઓ અને યાત્રાગુજ્જોની સંઘસમ્યામાં વૃદ્ધિ થતા પ્રવાસન કેન્દ્ર વધારે વેજ આપવા માટે આપણી પ્રવાસન સંઘસમ્યાની જલરણાત હોય, પહેલી વાત કેઠલ સંબંધિત સભ્યી આપવા માટે માનનીય મુખ્યમત્ર આનંદીબહેન પટેલને નીંદય કર્યું છે.

- મહત્તમ સાલસિલી માટે પ્રાંસ સવાલો
- કૃષણાત, શાન અને વયોગસાધિકરણની સુધારણા દ્વારા વર્ષ ૨૦૨૫ સુધીમાં વધારાના ૨૦ લાખ લોકો માટે રોજગારીની તકી ઉભી કરવી.
- જી.એલ. કાસર્ગોટના સંબંધિત મૂકી રોકાણ
6.4.1. રાજ્યમાં પ્રવાસન વિકાસને વેજ આપવા રાજ્ય સરકાર દ્વારા નવી નીતિ 2015-2020 જાહેર :

6.4.1.1. પ્રવાસન નીતિની લાભજ દિશાઓ :

6.4.1.1.1. વિજ્ઞાન :

પૂર્ણતાથી પ્રવાસન નીતિ, ટકકો અને સર્વ સમાવેશ વિકાસ તરફ ધ્યાન દેન કરી, સુપાર મુલાકાતની અંદુચણ, આંતરરાષ્ટ્રીય સમાંતર અનુસાર સમાધાન સહેળી રાજયમાં રોકાંણ તકી વધારી, મહત્વપૂર્ણ અર્થવાણી પ્રક્રિયા તરફ પ્રવાસનમાં વેજ આપી ગુજરતને સ્થળ વિનાંકણાને સાચાર કરવાને આશ્ચર્ય ઘરાવે છે.

6.4.1.1.2. મિશન :

1. પ્રવાસન ઉત્પાદનો વિકાસાયતના અને છેનાપૂર્વક મજબૂત કરવું.
2. કારણ કરી અંતરરાષ્ટ્રીય લોકોને પ્રવાસન વ્યક્તિ શક્તિ વિકાસ દ્વારા લાભાધ્યક્ષ રોકાંણ આપવી.
3. પર્યાવરણના રક્ષણ અને સુધારણા દ્વારા રાજયમાં જીવાણું પ્રવાસ માટે પ્રોત્સાહન.
4. મૈત્રીપૂર્વક રોકાંણ નીતિ માનાના દ્વારા યોજન કરવી જુડી પ્રવાસી માનનીય સુવિધાઓ દીલી કરવી.
5. ગુજરતના એક અગ્ર પ્રવાસન સ્થળ તરફ કેન્દ્રનું પાલિનગ કરવા પર ધ્યાન દેવી કરવું.

6.4.1.1.3. ઉપદેશો :

1. સામાન્ય રીતે અંતરરાષ્ટ્રીય પ્રવાસ સુવિધાઓની માનકાતની સંલભાની આધારે ગુજરાતને દેશની દોયના પાંચ રાજ્યો પૈકીનું એક બનાવવું.
2. સમચાર/પ્રકારના સુવિધાઓ અને છેનાપૂર્વક મજબૂત કરી MICE સેગમેન્ટમાં આકઃિત કરવા.
3. મેડિકલ, ચેકબેનગર, અંતગ્રહીય શાળામાં, કુંજ, ઉત્તરા/ મેળાઓ/ પ્રસંગો આપધરિત તેમજ અન્ય નવીન પ્રવાસન પ્રવૃત્તયો.
4. વિવિધ પ્રવાસન પેકેજો અને ઉત્પાદનો દ્વારા પ્રવાસી રોકામાં વધારે અને વારંવાર મુકાખત માટે પ્રતિષેધિત કરવા.
5. વારિષ નાગરિકો, ગૃહપ્રવાસીઓ, અદ્ભુત, વિદ્યાર્થીઓ તેથી વિશેષ રીતે સક્ષમ વ્યક્તિઓ માટે આધાર રીતે પોષણકલામ/ આખાલ/ રહેયાની સુભિદા તથા સ્ટ્રેચેસ સક્રિત રાખવી.
6. પ્રવાસન મહતી પરિવહન સેવાઓ, આવાળ અને વે-સાઈટ સુવિધાઓ ઉભી કરવી.
7. આ ક્ષેત્રમાં આદીવાસી ઉપયોગ વધાર્યો અને સેવાઓની ગુણવત્તા સુધારવી.
8. મેન્ટીપૂજક પરખાવવાની પ્રવાસન ઉત્પાદનો વિકસાવી રાજયમાં જવાબદાર પ્રવાસન વિકસાવવામાં.
9. પ્રવાસન ઉત્પાદનો, પ્રોજેક્ટ અને સેવાઓ વિકસાવવા માટે જાહેર-માનગી વાજીદારી માટે માણવ કરવમાં.

5.4.9.1.4. ચુંટાવના:

1. પ્રવાસન ઈન્સ્ટિટ્યુટરનું ચુંટાવ્યાત
   ➢ નાગરિક સુવિધાઓ, આવાલ અને અન્ય પ્રવાસન ઈન્સ્ટિટ્યુટરની માણવક્ષીય સુવિધાઓ ઉભી કરવા માટે નાગરિક સહાય
   ➢ રાજયના મુખ્ય ઘરી માંગાં ઉપર વે-સાઇટ સુવિધાઓનો વિકસ
   ➢ સમયાંતરે પાસ વિસ્તારે નિયત કરી પ્રવાસનના વિકસ માટે વધારાની નાગરિક સહાય
   ➢ પ્રવાસીઓનું આગમન માટે મોસમ આપધરિત ન રહે તે માટે હાલના પ્રવાસનને વિશાળ જુલક ઉપર વિસ્તાર્વં.
   ➢ જાહેર કેન્દ્રમાં MICE ને આપાર માટે સુવિધાઓ
   ➢ ઉપ વધારવા ઘરાઘરની વિસ્તારમાં મેળા પ્રવાસન પ્રોજેક્ટસ
   ➢ કુંજ ટારિફમ
   ➢ અમિય ટારિફમ/ થિમ પાકસ
   ➢ સ્પર્ધાઇમાં ટારિફમ
   ➢ કોષટ/ થીમ ટારિફમ

461
| 1. | સિનામેટિક દુર્રેજમ |
| 2. | આર્ટિઅલ, હેડલુમ, હેડીક્લર અને ટેક્સટેજલ દુર્રેજમ |
| 3. | જોગ દુર્રેજમ |
| 4. | છોકરી અને વાચક્યના દુર્રેજમ |
| 5. | અઝેકેન્યાર દુર્રેજમ અને વોટર સ્પોન્સ |
| 6. | વેટ્લેસ અને મેડિકલ દુર્રેજમ |
| 7. | ઉચ્ચતાર દુર્રેજમ |
| 8. | સૈટેશનિક દુર્રેજમ |
| 9. | ઓન્ટોગિનક દુર્રેજમ |
| 10. | યુક્રીન દુર્રેજમ |
| 11. | પુષ્કલત્વની અને જેટીસિક દુર્રેજમ |

2. દુર્રેજમ - મેન્ટિક અભ્યાસમ: સર્વ પ્રવાસ સાધનોને પુલાવિનાં સાધનોને સાધનોને સાધનોને અને સૂક્ષ્મ માટે દુર્રેજમ ઓખંઠ, કોરેસ સ્પીટ ટીવી તથા કેન્ન્યી 24 X 7 હેલ્પલાઈન વૃૃત્રે.

3. વિકાસ દ્વારા રેઝ્ગરીનું સંરક્ષણ: વિશ્વ સારી તાલીમ સાથે સમાંતર સનાથન વિકાસ

4. "મેક છેન છિડાયા" અને "ડિજિટલ છિડાયા"નો પ્રયુંત: રોજગારીના પ્રવાસો ક્ષેત્રે આકસ્મિકના ઉપયોગ માટે પ્રાથમિક

5. પ્રદેશવાળા જ્ઞાન અને સય્યકતા

6. નદીના સંશોધન પર શાસ

7. ભારતીય સરકારની વોટના સહૂલિઓની સહકર્તા

8. ભારતીય સરકાર સાથે સદા સહૂલિઓની સહકર્તા

9. વ્યવાસની સંરક્ષણ માટે બહુપાંદુઓની અભ્યાસ

10. સિદ્ધાંતી સરકારોને પ્રો-એક્સ્પીસ્ટ રેલ

5.4.1.1.1. પ્રવાસ નીતિની સમય માહિતી:
प्रस्तुत प्रवासन नीति आ अंगोंना कराव बखार पड़ानी तारीखानी 31/03/2020 सुधी अध्यावा नवी रे सुधारेली नीति बखार पाकवामां आवे, अे बेरांदी जे वहैंग हैं त्या सुधी अभिम्यां रहेंगे अने समग्र राज्याने लागू पड़े।

5.4.1.1.6. प्रौत्साहनो अने राहतो:

<table>
<thead>
<tr>
<th>क्रम</th>
<th>प्रौत्साहनोनी केव्हेजसरी</th>
<th>प्रौत्साहन/राहत</th>
</tr>
</thead>
</table>
| 1    | केपिटल सव्ससिडी       | 1. प्रोजेक्टमा लोकार्यमा कल्या मुख्य १५ % सभासिदी
       |              | 2. यागावावो अने दुरुप्रिमक्लेलोंमा वधू प्रति 5 %नी सभासिदी
       |              | 3. सीयो/ अनुसूचित जाति/ अनुसूचित जनजाति/ विशेष रीते सकाम चेता रोकालारे मागे वधू प्रति 5 %नी सभासिदी
       |              | 4. गांधीनगर श्रेणीक्षण विस्तार अने तेनी आत्मप्राप्ती २० किलो. नी निम्नांक माते गांधीनगर चालाना मिस्टारांमा आवानार नवा दुरुप्रिम झुलोत्ते वधू प्रति 5 % नी सभासिदी
| 2    | व्याजानी सव्ससिडी       | 1. स्थानाने अनुसूचित प्रति 5 % ठी 3 %
       |              | 2. हॅटेल शेटलो माते 3 %
| 3    | रजस्ट्रीशन अने सेम्प जुटीमां राहत | 1. तमाम प्रवासन धेंशरूक्षयर प्रोजेक्टो मागे रजस्ट्रीशन अने सेम्प झुतीमा १०० रीयलसंभरण
| 4    | लक्कोटी टेक्स | 1. पायर वर्ष माते १०० % मुक्ति
| 5    | मनोरंजन कर | 1. पायर वर्ष माते १०० % मुक्ति
| 6    | वीज कर | 1. वीज कारमांदी पायर वर्ष माते १०० % मुक्ति
| 7    | मेगा दुरुप्रिम प्रोजेक्ट | 1. राज्यमां को एक पायर व्यवसाय ऊपर- कोर्टेडी वधू रोकाला धरावत तथा १५० विध वधू बोलोने रेत्टरी आपातांकी क्षमा धरावत प्रोजेक्टमे मेगा दुरुप्रिम प्रोजेक्टो एक्सो अधिक प्रौत्साहन अने राहत तरीके महत्तम २०/-का लाूं दुधीनी केपिटल सव्ससिदी तेमज मनोरंजन कर अने लक्कोटी टेक्समा सात वर्ष दुधीनी मुक्ति आपातांकी आवानो.
| 8 | सस्तेन्वाल ट्रिज्म माने साहाय | 1. योजना धरावता ट्रिज्मभुनिठोन ग्रेजुल ओडिय धरावतानी उमिताना अध 50% अथवा वधुआ वधुआ 
| | | विषया पूरा,०००/- ज पत्रिसी समय एस्थि अद्भुत भगवान 
| | अन्य प्रोत्साहन | वेष्टर विद्यास माने मानी सांस्कृतो तालीम अर्थनृ 
| | | रीक्रिएशनेंट 
| | | 2. स्थानिक दूरिस्त गठबंधने नियमित रूपे मासिक 
| | | स्टोकेन 
| | | 3. नवीनता धरावता पुलिसन प्रोजेक्टी माने प्रोत्साहन 
| | | 4. अंतर्द्राश्चर्यी तथा अंतरराश्चर्यी छात्रसंग्रह द्वावेल 
| | | ओजेंट, ति ओपिरेटरोने लाग लेवा माने माक्टिग 
| | | सर्जक 

### 5.4.1.1.7. अन्य पहेल

- वेसेसाैट सुविधाओ जा नीति धेंकन प्रायोगिक घोटे गुलवतासंबंध वेसेसाैट 
  सुविधाओ उदार कर्तवां आद्यावां छे.जे पाशणखाली तबातावां अनेक मुख्य 
  मार्ग उपर गुण मार्गी लेवां आवश्य.
- जाहेर-वानस्या लागीडारी मोड हेंकन ट्रिज्म घोटेकनुम अमलीकरण.
- हेम स्वे पोलिसी
- दूरिस्त पोलिसी
- समंतरे होटेली मातेना नियममोनी सुधारणा द्वारा होटेलोना वांडकम माने 
  प्रोत्साहन.
- पुलिसन हेत्राना विविध घटकोम हेश्कता मातेना घेवोर्ड्स आपवानी जोगवार.

### 5.4.1.1.8. अमलीकरण माने वीडियोम: 

समग्र पुलिसन नीतिना योजित संयंत्र अनेक अमलीकरण माने (१) स्वेट लेवल 
अभावावर कमिटी अनने (२) स्वेट लेवल छप्लीमेंशन कमिटीनी रचना.

नीति अंतर्गत सहय मुलाकाती अनुभव धारावर प्रायोगिक घोटे आई.डी.सी.टी. 
आधारित सेवांच्या उत्पादनाच्या धारावर आवश्य. पंडुरंगीणा स्मारकसा शब्दोने 
आंदोल-विज्ञापन गांड माने साधय पश्च पूरी पाकवां आवश्य.
नवी प्रवासन नीति हेकर वरिष्ठ नागरिक, गृहमंत्रीयों भेजते, विधायिकों तथा विशेष रीते सक्षम व्यक्तियों मात्र आधीक रीते पोषणक्रम/ आवास/ रहेवानी सुविधा तथा ट्रावेल सर्किट जीला करवानी पास उठेश्च है।

5.4. उपर्युक्त

प्रवासन ना अंतराष्ट्रीय नक्षामान अंकपथी उपसी रहेला गुजरतमां राज्य सरकारना प्रवासन विलागना उपकमे खेलता गए वर्षकी आंतराष्ट्रीय “गुजरात ट्रावेल माइ” योजनामाण आये है। या ट्रावेल-एन्वेंटमां भारताना 15 राज्यां सहित इलियाणा 32 हेशना 125 जेलीटी टिरिजम, इस-ट्रावेल अंक होटेलटलिटी क्षेत्र साथे जेलटेला ट्रावेल ओपरिः, इस ट्रावेल आसोसिएशनों राज्य सरकारना टिरिजम कृपियाश्रणना कुल 800 उदेशित बाग लेख राहिला है। जेना कारणे वे वत्सां गुजरतातीय प्रवासीयों नी संबंधितां 54 ताम पर्यटकांनी वधारी यथो सम्बंधित मां प्रवासनांना वृद्धिहरू 7 टका हे त्याले गुजरतातीय गाढ रेहट बमझो लेखले हे 16 दस्त गये है।

गुजरात सरकार मात्र प्रवासन यें प्राथमिक अग्रीमतानुष्ठान क्षेत्र हे 5.5.2004 पहेला गुजरतमां प्रवासन क्षेत्रनु 8.30 क्लोक हुनें र झाले 500 क्लोकद्वारी पास वधी गयुं है। आजे गुजरतातीय प्रवासन विलागनी संबंधितांनी उपर विश्वना ट्रावेलसंगु ध्यान देहिले यां है।

गुजरात सरकारप्रवासी बुधकाळनु क्रमांकु ला एक संकों हुनुं। ते आजे समूह मात्रेनु हिंदिस्ताननु तोडणा बनली गयुं है। क्रमांकु नेतृत्व गोष्ठ आज लाभयोग एक क्लोकटेस्ट डेवलपर टिरिजम गोष्ठ बनली गयो है। आ उपरांत क्रमांक काम कर्षणात गुजरातातीय शीर्ष धर्मनी परंपरा सहित पुनःयाचार मात्र गुजरतातीय पार्लेमेंट देखील बनली गयो है। आजे जेने धर्मनो पालीताणू सहितना देखील पावा आध्यात्मिक प्रवासनयु आकर्षणा बनली राहिला है।

गुजरातमां क्षेत्र क्षेत्र पास पेटीवाडी विलागनाना नवा अनेक प्रयोजन यथा हे तेने एकू टिरिजमनी सरकार अने वालों मात्र डिज्न टिरिजम विलागनी संबंधितां मात्र पास मुख्यमंत्रीश्रींच्या वेशक बृहिक आपले हती।
૪.૦૬માં ગુજરાત પ્રવાસન વર્ષની ઉજવણી કરાએ પછી સમગ્ર ગુજરાત રાજય હવે પ્રવાસન મેળવવા માટે સમાનતાથી પ્રવાસ બની ગયું છે. ગુજરાતમાં ‘અનિર્દિષ્ટ દવો બાવના’ના સાંખ્યક પરિસ્તિતિ ગુજરાતમાં વાર સવા એ ક્રાંક પરિયુંત પ્રવાસીઓ ગુજરાતની વાત પ્રવાસન વિશાલતાની શૈલી પરિસ્તિતી યુમીમાં આવે છે. પ્રવાસન વિષણ્ણી વિશ્વવસત મેજિન LONELY PLANET માં ગુજરાતને વિષણ્ણ પ્રધામ શા પરિયુંત સ્થાનોમાં મૂકયા છે. પ્રવાસન સ્થળો વિષણ્ણ વાત નથી એવું વિરામ વૈવિધ્ય ગુજરાતની યુમીમાં છે. પરંતુ શા વાર પહેલા ગુજરાતનું વાતણા પ્રવાસન નકશામાં વાતણા નામ અંગા ગુજરાત ટ્રીજામ-ફેંકવી સેટ બની ગયું છે.

ક્યાંખના સખી રૂપમાં મંડી સૌંદર્યોની વિષણ્ણ પ્રવાસીઓ રાજ્યનો અંતર આવીને આભિસંહ વાં જવ છે અને પાકિસ્તાની સરકાર આવેલ અંતરાણા ગામી આ રાજ્યની સંકળ્યા સમુદ્ધાન અને વિશાળ હિસ્સાઓ પોતા દીધી છે. ગુજરાતમાં પરિયુંત વિશાલતાને અપાર વૈશવ્ય છે. ઇલિશા ગુજરાતમાં પાસ્સિઓની પાંચ સાંખ્યક અન્યાયારી-વાહીયા પાસ્સિઓની વિશાલત તરીકે વિકસાવવાની નેમ ગુજરાત સરકારે વ્યકત કરી હતી.

ગુજરાતમાં બુધ્ધ ધરમની ચૈત્યકલીક વિશાલત છે એવું કંઠ જવાનું નહેતું પરંતુ છેલ્લા એક દરેક દિવસી તેની મોરી અને વચં સહિત બાગવાન બુધના અને વૈશ્વિક ધરમની ઘરોડરની છંદખસ ઉપલબ્ધ કરી છે. ગુજરાત બુધ્ધ ટ્રીજામ સરકારી પાણી શર કરવા તપાર છે. આવટીસી ક્ષેત્રો, સાપટાલા અને અરબતલી હિસ્સામાં છોકરી ટ્રીજામના વિશાલ વ્યાપક ભલાર ઉપર આયોજન કરી છે.

ગુજરાતની યુમી વિષણ્ણના વાયુઓ પક્ષીઓ માટે આરોગ્યમાં કેન છે. નંબર સર્વો અને કલ્પક પક્ષીઓના હૃદય કરવા માટે પ્રવાસીઓ માટે નવા પરિયુંત ક્ષેત્રો છે. ગુજરાતે જ અનોરલ વાર વોયસાર ધોકરમાં સહિત અંતરમાં વીજ કરી છે, હવે ગુજરાતમાં વાવય પક્ષીઓ, પશુ-પક્ષીઓ સુખિણા વસવાતના સિવા, સમાજના મતી ટ્રીજામ, વિલિયમ ડેસ્ટિનેશન હૃદય ટ્રીજામનું ગુજરાત ઉત્તમ પરિયુંત સ્થાન બની રહ્યું છે.
ગુજરાતમાં દક્ષિણ શુંઠિગાણા અનેક ડીક્રીટ લોકેશનો યાત્રિક નિમન્તાખાતો માટે અને આંકડો આકર્ષણ બનેલા છે. સૌરાષ્ટ્રના હિંદુધારકના ભેલ-શાકેની હિંદુધારક પ્રાણી વાળા સૃષ્ટિઓ પણ ગુજરાતના પ્રવાસન વૈવિધ્યમાં પોતાનુ સ્થાન મુકર્વ કર્યું છે.

ગુજરાત રાજ્યમાં અત્િ મહત્વ કરી શકાય તેવી વાતો જેવી કે રાજ્યમાં રોકાલું, આંતરિક માળણા, પ્રવાસી વૃદ્ધિઓ પ્રવાસન સ્થાન પર ધ્વણી રહેલી સંવધાન, અન્ય સ્થાનો પર આવણા જ્ઞાન, નવા પ્રવાસન સ્થળની લોકે સુધી માહતી પહોંચાયાયું, વિગતે વાતાવરણે પસંદગીમાં રૈલમાં રાજ્યમાં વિવિધ હતા. ભારતના અન્ય રાજ્યઓની સર્વભારમભૂત ગુજરાત રાજ્યને આ વેટિક માટે પસંદગી કરવામાં આવી હતી.
:- સંક્યાસૂચી :-

1. ઓંગ હિંગવ, ગીરવ ભૂમિ ગુજરાત, નવાબરત સાહિત્ય મંદિર-અમદાવાદ, પૃષ્ઠ- 1 થી 7
2. દેશાં (ડી) મહિયા, ગુજરાતમાં પ્રવાસન, ગુજર ગ્રાંથકન કાર્યાલ્TOCOL અમદાવાદ, પૃષ્ઠ -4
3. અજનન નામક પૃષ્ઠ-12
4. પબાદરીવા પ્યુખલાંખર કે., "સિરાજના પ્રવાસન વિસ્તારની વિકાસ અને કાશી-એક ટીકકરંક અવસાસ", મહાશોખ નિર્ણાયક, સૌરાષ્ટ્ર યુનિવર્સિટી રાજકોટ, પૃષ્ઠ-3
5. યોજના, મેગજિન વર્ષ-59, અંક-5, માર્ચ-2019, સૂચના ભાવન, નયી દિલ્લી, પૃષ્ઠ-47-48
6. પબાદરીવા પ્યુખલાંખર કે., "સિરાજના પ્રવાસન વિસ્તારની વિકાસ અને કાશી-એક ટીકકરંક અવસાસ", પ્રોચકત ગણ્થ, પૃષ્ઠ-3
7. અજનન નામક પૃષ્ઠ-3
9. પોરશુ ૮, સામાન્ય વિશાળ, ગુજરાત રાજ્ય પાલપુરલક મંડળ, ગાંધીનગર, પૃષ્ઠ-80
10. પબાદરીવા પ્યુખલાંખર કે., "સિરાજના પ્રવાસન વિસ્તારની વિકાસ અને કાશી-એક ટીકકરંક અવસાસ", પ્રોચકત ગણ્થ, પૃષ્ઠ-25
11. અજનન નામક પૃષ્ઠ-3 2
12. Robert Jan Baken, Suresh Bhagavatula, Some reflections on tourism and tourism policy in India, Page-3
13. પબાદરીવા પ્યુખલાંખર કે., "સિરાજના પ્રવાસન વિસ્તારની વિકાસ અને કાશી-એક ટીકકરંક અવસાસ", પ્રોચકત ગણ્થ, પૃષ્ઠ-3 2
14. પબાદરીવા પ્યુખલાંખર કે., "સિરાજના પ્રવાસન વિસ્તારની વિકાસ અને કાશી-એક ટીકકરંક અવસાસ", પ્રોચકત ગણ્થ, પૃષ્ઠ-27
15. કોપડી(ડી.),વિશ્વાલ આ., પૌ.માનિક કે. પાલમાર, પ્રવાસનની વિસ્તારના અને વિનિયોજ, પ્રોચકત ગણ્થ, પૃષ્ઠ-18

468
16. Pandey B.K., Rural Development Towards Sustainability (In 3 Volumes),
ISHA Books-Delhi, Page-30
17. Pandey B.K., Rural Development Towards Sustainability (In 3 Volumes),
ISHA Books-Delhi, Page-30
18. ગુજરાત પલિકા, માહિતી કમિશનર્શીની કચેરી, ગુજરાત રાજય, ગાંધીનગર,
અંક ૧૮, તારીખ ૧૫-૦૬-૨૦૧૫, પૃષ્ઠ-૩૪
19. સૌરાષ્ટ્ર લખિત યોજના, "ગુજરાતમાં પ્રવાસન ઉત્સજ્જનો વિકાસ,પ્રસ્તૃતા અને લાભ", 
મહાશિવ લિબિયએ, સૌરાષ્ટ્ર યુનિવર્સિટી રાજકોટ, પૃષ્ઠ નંબર-૮૯,૮૨
20. અભિનંદન પૃષ્ઠ-૮૨
21. અભિનંદન પૃષ્ઠ-૯૦૮
22. અભિનંદન પૃષ્ઠ-૯૦૮
23. પાલનસીરીયા પુસ્તકમાર જે., "સૌરાષ્ટ્રના પ્રવાસન વિસ્તારો વિકાસ અને 
કાયદો-ચેક ટીકાસ અલયાસ", પુસ્તક ગણક, પૃષ્ઠ-૩૨
25. નવગુજરાત સમાચાર, સમાચાર પત્ર, તારીખ ૧૦ માર્ચ ૨૦૧૪, પૃષ્ઠ-પ
26. GGN અંદાજલી ગુજરાત સમાચાર, તારીખ ૧૬ જુલાઇ ૨૦૧૪
27. ગુજરાત પલિકા, માહિતી કમિશનર્શીની કચેરી, ગુજરાત રાજય, ગાંધીનગર,
અંક ૧૮, તારીખ ૦૧-૧૦-૨૦૧૫, પૃષ્ઠ-૨૪
28. અભિનંદન પૃષ્ઠ-૨૪
29. અભિનંદન પૃષ્ઠ-૨૪
30. ગુજરાત પલિકા, માહિતી કમિશનર્શીની કચેરી, ગુજરાત રાજય, ગાંધીનગર,
અંક ૧૮, તારીખ ૦૧-૧૦-૨૦૧૫, પૃષ્ઠ-૨૪
31. એમેસએએ એક દાખલાનો (2009-2010), માહિતી કમિશનર્શીની કચેરી,
ગુજરાત રાજય, ગાંધીનગર, પૃષ્ઠ-૮૧
32. અભિનંદન પૃષ્ઠ-૮૯
33. ગૌરવ ક (પ્રથમ સેમેસ્ટર), સમાચાર વિકાસ, ગુજરાત રાજય પાલકપુરસ્તક 
મંડળ, ગાંધીનગર, પૃષ્ઠ-૩૮
34. સંદર્ભ સમાચાર, તારીખ ૧૦-૧૦-૨૦૧૪,પૃષ્ઠ-૩
35. ગાંધીનગર સિદ્ધપુર, પરિશ્રમ, પ્રાથમિક અને પ્રથમ શેરીરનું એક વર્ષ 2014-2015,
માહિતી કમિશનર્શીની કચેરી, ગુજરાત રાજય, ગાંધીનગર, પૃષ્ઠ-૮, ૨૫, ૩૦, 
૩૧, ૩૨, ૩૩, ૩૪, ૩૫

37. ગુજરાત પાલ્કિશ, માહિતી કમિષન્સના શ્રી કાયેરી, ગુજરાત રાજય, ગામડીનગર,
અંક ૧૮, તારીખ ૦૧-૧૦-૨૦૧૫, પૃષ્ઠ-૨૪ થી ૨૭